जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, शनिवार 8 नवम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

राजस्थान का सबसे तीखा मिर्च पाउडर

50,000+ SHU (तीखापन)

लाल मिर्च पाउडर

- तीखेपन के लिए गुंटूर की तेजा मिर्च
- स्वाद के लिए नमकीन में डालने वाली लौंगी मिर्च
- लाल रंग के लिए कश्मीरी बेडगी मिर्च

250 g | MRP: ₹ 150

FIXED PRICE

ORDER NOW:

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- काला चना
- हरा चना
- काबुली चना
- हरा मूंग
- हरा मटर
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- मूंग दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मोठ
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON: चावल । पोहा । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

एक्सप्रेस डिलीवरी सिर्फ एक कॉल पर

1800 120 2727

T&C Apply.

नजदीकी रिटेल स्टोर पर उपलब्ध !

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। –वाल्मीकि

निर्यात में राजस्थान की लंबी छलांग

राजस्थान ने वर्ष 2024-25 में 16.09 प्रतिशत विकास दर के साथ निर्यात के क्षेत्र में भी लंबी छलांग लगाई है। 2023-24 में प्रदेश से 83704 करोड़ 24 लाख रुपए के उत्पादों का विदेशों में निर्यात हुआ था। इसकी तुलना में 2024-25 में प्रदेश से 97171 करोड़ 68 लाख रुपये के उत्पादों का विदेशों में निर्यात हुआ है। निर्यात क्षेत्र में सर्वाधिक 57.09 प्रतिशत की विकास दर जेम एवं ज्वैलरी क्षेत्र में रही है। इसके बाद इलेक्ट्रोनिक्स और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर क्षेत्र में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी रही है। इंजीनियरिंग सेक्टर में 19.63 प्रतिशत और एग्रो और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 10.92 प्रतिशत की तो माइनिंग क्षेत्र में 10.45 प्रतिशत की विकास दर के साथ उल्लेखनीय निर्यात हुआ है। राजस्थान द्वारा 17 सेक्टरों के उत्पादों का विदेशों में निर्यात किया जाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में निर्यात के क्षेत्र में यह बडी सफलता मानी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग एवं वाणिज्यमंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह के योजनाबद्ध प्रयासों का ही परिणाम रहा है कि राजस्थान ने निर्यात के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। केन्द्र सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जारी निर्यात आंकड़ें भी इस मायने में उत्साहित करने वाले हैं कि आलोच्य अवधि के गत वर्ष की तुलना में अप्रेल-जून 25 में भी 14.37 फीसदी विकास दर के साथ 25212 करोड़ से अधिक का निर्यात राजस्थान से हुआ है।

राजस्थान से टैक्सटाइल, एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, जेम एवं ज्वैलरी, इंजीनियरिंग, फेरियस और नान फेरियस मेटल, डायमेंशनल स्टोनों में मार्बल, ग्रेनाइट और इनसे तैयार डेकोरेटिव उत्पाद, मिनरल फ्यूल्स आदि, इलेक्ट्रोनिक व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, वूल और वूलन उत्पाद, केमिकल और इसके सहउत्पाद, दवा एवं फार्मास्यूटिकल, प्लास्टिक और लिनोलियम्स, हैण्डीक्राफ्ट, लेदर एवं सहउत्पाद, रेडिमेड गारमेंट्स, कारपेट दरियां आदि व अन्य उत्पादों का प्रमुखता से निर्यात होता है। 2024-24 के दौरान जेम एवं ज्वैलरी के क्षेत्र में सर्वाधिक 57.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह से इलेक्ट्रोनिक और कम्प्यूटर साफ्टवेयर क्षेत्र में भी 25.21 फीसदी की अच्छी खासी विकास दर रही है। इंजीनियरिंग, एग्रो व फूड प्रोसेसिंग और माइनिंग सेक्टर में भी 10 प्रतिशत से अधिक की विकास दर के साथ निर्यात में बढ़ोतरी हुई है।

दरअसल राज्य सरकार की निर्यातोन्मुखी नीति और निर्यातकों को मार्गदर्शन, तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत सहयोग का ही परिणाम रहा है कि राजस्थानी उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ी है तो निर्यातक भी प्रोत्साहित हुए हैं। राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के पहले साल में ही एक्सपोर्ट प्रमोशन पालिसी 2024, राजस्थान ओद्यौगिक प्रोत्साहन नीति रिप्स 2024, केन्द्र व राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति 2024 से प्रदेश में निर्यात का माहौल बना है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की देश-विदेश में आक्रामक मार्केटिंग और फिर जयपुर में सफल आयोजन से भी निर्यात को पंख लगे हैं।

दरअसल राज्य सरकार की निर्यातोन्मुखी नीति और निर्यातकों को मार्गदर्शन, तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत सहयोग का ही परिणाम रहा है कि राजस्थानी उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ी है तो निर्यातक भी प्रोत्साहित हुए हैं। राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के पहले साल में ही एक्सपोर्ट प्रमोशन पालिसी 2024, राजस्थान ओद्यौगिक प्रोत्साहन नीति रिप्स 2024, केन्द्र व राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति 2024 से प्रदेश में निर्यात का माहौल बना है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की देश-विदेश में आक्रामक मार्केटिंग और फिर जयपुर में सफल आयोजन से भी निर्यात को पंख लगे हैं। निर्यात से बहुमुखी विकास की इबारत लिखी जाती है। एक तो विदेशों में प्रदेश की उत्पादों की मांग बढ़ती है, उत्पादों को विश्वव्यापी पहचान मिलती है वहीं स्थानीय स्तर पर औद्योगिक निवेश और औद्योगिक विकास, उत्पादन की गुणवत्ता के साथ ही युवा निर्यातकों को प्रोत्साहन मिलता है। स्थानीय स्तर पर कौशल विकास के साथ ही रोजगार के नए अवसर विकसित होते हैं। इन सबके साथ ही विदेशी पूंजी आती है।

अमेरिका की टैरिफ नीति और विदेशों में निर्यात की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राजस्थान के समग्र प्रयासों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। राजस्थान सरकार अगले माह 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थान दिवस भी मनाने जा रही है। ऐसे में प्रवासी राजस्थानियों खासतौर से विदेशों में रह रहे राजस्थानी प्रवासियों के राजस्थान की धरा से जुड़ाव से निश्चित रुप से प्रदेश के युवा निर्यातकों, स्टार्टअप्स को संवाद और समन्वय का अवसर प्राप्त हो सकेगा अपितु युवा उद्यमियों को निर्यात में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, विदेशी धरती पर मांग और अंतरराष्ट्रीय मानकों से रुबरु होने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा राजस्थान निर्यात संवर्द्धन परिषद को भी और अधिक एग्रेसिव रणनीति बनाते हुए युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ओरयिंटेशन, अवेयरनेस, वर्कशॉप, सेमिनार आदि आदि कार्यक्रमों की सीरिज बनानी होगी ताकि निर्यात को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। युवा उद्यमियों के प्रोत्साहन से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

डेढ़ सौ वर्ष से झर रहा है समरसता और आत्मीयता का महाप्रपात

भारत के कण-कण और जन-जन को एक सूत्र में बांधता है ''वंदे मातरम्''

आकांक्षा पालावत

दिल को सुकून देने वाले और दिमाग को राष्ट्रीयता की तरंगों में नहला देने का सामर्थ्य रखने वाले गीत वन्दे मातरम... की उम्र भले ही आज 150 वर्ष की हो गई हो, पर इसकी धड़कन आज भी उतनी ही जीवंत रहकर हर किसी में स्पन्दन जगाने और तरंगायित करने में अहम् है। वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि वह अखूट अजस्त्र भावधारा है जो भारत के कण-कण और जन-जन को एक सूत्र में बाँधती है। यह सिर्फ एक विचार नहीं था, बल्कि उत्प्रेरक शब्दों की एक जबर्दस्त क्रांति थी, जिसने सोए हुए राष्ट्र को जाग्रत कर ऊर्जावान किया।

इस गीत के शिल्पकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन और उनकी उस चेतना को पहचानना, दरअसल स्वयं भारत की आत्मा को पहचानने के समान है। उनके शब्दों ने जिस भावना को जन्म दिया, वह आज भी हर तिरंगे की लहर में, हर भारतीय के हृदय में और हर नई सुबह के संकल्प में स्पंदित होती है। सन 1875, भारतीय नवजागरण का वह काल, जब भारत माता अंग्रेज़ी शासन की बेड़ियों में जकड़ी थी। निराशा और पराधीनता के घनघोर अंधकार में एक दीपक प्रज्वलित हुआ, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के रूप में। उन्होंने शब्दों को साधना बनाया और अपनी लेखनी से भारत की मौन आत्मा को स्वर दिया। उनकी रचना वंदे मातरम् वह दिव्य जागरण मन्त्र बनी, जिसने गुलामी के युग में स्वाधीनता की लौ जलाई और आज भी राष्ट्र के हृदय में श्रद्धा, स्वाभिमान और ऊर्जा का स्त्रोत बनी हुई है।

वह कलम जो शासन की नहीं, युग की आवाज़ बनी : 26 जून 1838 को बंगाल के 24 परगना ज़िले के कांठलपाड़ा गाँव में जन्मे बंकिमचंद्र के पिता यदुभूषण चट्टोपाध्याय ब्रिटिश शासन में डिप्टी कलेक्टर थे। विलक्षण मेधा-प्रज्ञा सम्पन्न बालक बंकिम ने आरंभ से ही असाधारण प्रतिभा दिखाई। 1858 में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.ए. की उपाधि प्राप्त की। यह वही कालखण्ड था जब 1857 का संग्राम अपने अंत की ओर था, पर भारत के मन में उसकी चिनगारी अभी दहक रही थी। अंग्रेज़ी शिक्षा के बावजूद उनका मन भारतीय संस्कृति और परंपराओं से अनुप्राणित था। सरकारी सेवा में रहते हुए भी उन्होंने लेखनी को समाज-जागरण का माध्यम बनाया, वह कलम जो शासन की नहीं, युगीन चेतना जगाने वाली आवाज़ बनी।

साहित्यिक साधना और देशज चेतना : बंकिमचंद्र ने साहित्य को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज-चेतना और लोक जागरण का साधन बनाया। उनकी 'दुर्गेशनंदिनी', 'कपालकुंडला', 'विशवृक्ष' और 'आनंदमठ' जैसी कृतियों ने नारी, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को नया जीवन दिया।

उनका उपन्यास 'आनंदमठ' मात्र एक कथा नहीं था; वह एक घोष था, एक ऐसे भारत का स्वप्न, जो भय और दासता से मुक्त हो। इसी में उन्होंने वह गीत रचा-वंदे मातरम्, जो मातृभूमि की आराधना का प्रतीक बन गया और स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा में समाहित हो गया।

वंदे मातरम् : एक गीत, एक आन्दोलन, एक आत्मा

संस्कृत-बांग्ला मिश्रित भाषा में रचित वंदे मातरम् पहली बार 1875 में 'बंगदर्शन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ और बाद में 'आनंदमठ' में शामिल किया गया। वंदे मातरम्, शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकित यामिनी3 इन शब्दों में भारतभूमि देवी बनकर अवतरित होती है, शस्य-श्यामला, सुवासिनी, करुणामयी, किंतु परतंत्र। यह गीत केवल श्रद्धा नहीं, जागरण की पुकार था। 1896 में जब यह गीत पहली बार गूँजा, तो पूरा देश भावविभोर हो उठा। धीरे-धीरे वंदे मातरम् स्वतंत्रता का उद्घोष बन गया। जेलों की कोठरियों से लेकर रणभूमि तक, यह गीत साहस, बलिदान और समर्पण का प्रतीक बन गया। अरविंद घोष, लाला लाजपत राय, बिपिनचंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने इसे अपने जीवन का सूत्र बना लिया।

गीत का दर्शन : राष्ट्रवाद का आध्यात्मिक स्वर

वंदे मातरम् केवल भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि गहन दर्शन का सूत्र है। यहाँ मातृभूमि भौगोलिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक सत्ता है, हमारी चेतना का केंद्र। बंकिमचंद्र ने दिखाया कि सच्चा राष्ट्रवाद बाहरी नहीं, भीतरी भावना है; यह केवल शासन की संरचना नहीं, बल्कि आत्मा का स्पंदन है।

उनका यह दृष्टिकोण भारतीय संस्कृति के उस मूल सिद्धांत से जुड़ता है जहाँ भक्ति और देशभक्ति एक ही धारा में बहती हैं। वंदे मातरम् ने भारत के राष्ट्रवाद को आध्यात्मिक आधार दिया, जहाँ सेवा ही साधना है और मातृभूमि की वंदना ही धर्म। आज, जब वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, यह केवल एक गीत की स्मृति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के पुनर्जागरण का महोत्सव है। 21वीं सदी का भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की ओर बहुत तेजी से अग्रसर है, जब विज्ञान, संस्कृति, तकनीक और आत्मनिर्भरता एक साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब यह गीत हमें स्मरण कराता है कि आधुनिकता की दिशा तभी सार्थक है जब वह मातृभूमि के प्रति श्रद्धा से जुड़ी हो।

आज के भारत में वंदे मातरम् किसी अधिवेशन या समारोह तक सीमित नहीं। यह हर नागरिक की निष्ठा, परिश्रम और संकल्प का अदृश्य संगीत है। डिजिटल इंडिया से लेकर हर घर तिरंगा तक, चंद्रयान से लेकर गंगा पुनर्जागरण तक, हर सफलता के पीछे यही आत्मस्वर गूँजता है कि हम सब एक हैं, क्योंकि हमारी माँ एक है।

बंकिमचंद्र की विरासत और हमारा उत्तरदायित्व : बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय बुद्धि और भावना, शासन और साधना, कर्म और काव्य के अद्भुत संगम थे। उन्होंने साहित्य को लोकचेतना का दीप बनाया, जिसने आगे चलकर सत्याग्रह', भारत के स्वप्न और इंकलाब को आलोकित किया।

आज, 150 वर्षों बाद, उनका यह संदेश और भी गहरा प्रतीत होता है कि राष्ट्र की प्रगति केवल तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की आत्मा में निहित है। बंकिमचंद्र ने राष्ट्रचेतना और देशभक्ति को जो दीप जलाया था, वह आज भी हर भारतीय के भीतर उजाला करता है।

माँ की वंदना ही सच्ची स्वतंत्रता : बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का जीवन और उनका गीत हमें यह सिखाते हैं कि शब्दों में युगों को जगाने की शक्ति होती है। 'वंदे मातरम्' उसी शब्द शक्ति का शाश्वत प्रमाण है। एक ऐसा गीत जो जाति, धर्म, सम्प्रदाय और तमाम संकीर्णताओं से ऊपर उठकर एकता सिखाता है, सामाजिक समरसता का संदेश देता है, जो सीमाएँ नहीं, संवेदनाएँ जोड़ता है। आज जब भारत चरम आत्मविश्वास और सुदृढ़ संकल्पों को लेकर नए युग में प्रवेश कर चुका है, तब यह गीत हमें स्मरण कराता है कि माँ की वंदना ही सच्ची स्वतंत्रता है।

आज वन्दे मातरम् भारतीय आत्मा का मूल महामंत्र बनकर विश्वगुरु के विराट स्वरूप का बोध कराता प्रतीत होने के साथ ही स्वर्णिम वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत दे रहा है।

–आकांक्षा पालावत,
(सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, जोधपुर)

एल्गोरिथम की तानाशाही: हमारी डिजिटल स्वतंत्रता पर मंडराता खतरा

सुरेंद्रसिंह शेखावत

आज के दौर में, जब हम खुद को सूचना के एक विशाल सागर में तैरता हुआ पाते हैं, तो एक अदृश्य शक्ति है जो हमारी यात्रा को नियंत्रित करती है, वह एल्गोरिथम है। ये गणितीय कोड, जो बड़ी टेक कंपनियों के सर्वरों में समाए हुए हैं, अब केवल जटिल गणनाएँ नहीं करते; वे चुपचाप हमारे जीवन के हर पहलू पर एक तानाशाही थोप रहे हैं। यह ''एल्गोरिथम की तानाशाही'' हमारे लोकतंत्र, हमारी व्यक्तिगत पसंद और हमारी सामूहिक चेतना के लिए एक गंभीर खतरा है।

एल्गोरिथम की तानाशाही का मूल उसके अदृश्य नियंत्रण में निहित है। सोशल मीडिया फ़ीड में अगली पोस्ट, सर्च इंजन में पहला परिणाम या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अगली फिल्म का सुझाव यह जो हम देखते है वह सब किसी निष्पक्ष चयन पर आधारित नहीं है। यह सब एक अत्यधिक निजीकृत और जटिल गणना का परिणाम है।

इन प्रणालियों का प्राथमिक उद्देश्य उपयोगकर्ता को संतुष्ट करना नहीं, बल्कि उसे प्लेटफॉर्म पर अधिकतम समय तक जोड़े रखना है, ताकि डेटा और विज्ञापन राजस्व को बढ़ाया जा सके। इस प्रक्रिया में, एल्गोरिथम हमें हमारे ही विचारों, पूर्वाठाहों और रुचियों के घेरे में कैद कर देता है, जिसे फ़िल्टर बबल कहा जाता है। हम केवल वही सामग्री देखते हैं जो इस तंत्र को लगता है कि हमें पसंद आएगी जबकि विपरीत विचार या नई जानकारी जानबूझकर या अनजाने में हमसे दूर रखी जाती है। जिसका परिणाम यह होता है कि हमारी दुनिया संकीर्ण हो जाती है। हम उन लोगों और विचारों के प्रति असहिष्णु हो जाते हैं जो हमारे बबल से बाहर है। यह सामाजिक ध्रुवीकरण और वैचारिक विभाजन को बढ़ावा देता है, जिससे एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक खुली बहस की गुंजाइश नहीं बचती और वास्तविक जानकारी हमारे तक नहीं पहुंच पाती। एल्गोरिथम की तानाशाही का सबसे खतरनाक प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर पड़ता है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील जानकारी या भ्रामक समाचार को वायरल करने की एल्गोरिथम की क्षमता ने आधुनिक चुनाव और जनमत को एक खिलौना बना दिया है।

एल्गोरिथम अक्सर गुस्सा, भय और विभाजन पैदा करने वाली सामठी को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि ऐसी सामग्री पर क्लिक और शेयर सबसे ज़्यादा होते हैं। इस तरह, अतिवादी या कट्टरपंथी विचारों को मुख्यधारा में लाकर, यह तंत्र जाने-अनजाने में लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रहे हैं। मतदाता अब तथ्यों के आधार पर निर्णय नहीं लेते, बल्कि उन भावनाओं के आधार पर लेते हैं जिन्हें एक अदृश्य कोड द्वारा कुशलता से हेरफेर किया गया है। इसके अलावा एल्गोरिथम सरकारों और एजेंसियों के लिए बड़े पैमाने पर निगरानी का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। हमारे हर क्लिक, हर लाइक और हर खरीदारी को रिकॉर्ड करके, यह तंत्र हमारे व्यवहार, आदतों और कमजोरियों का एक विस्तृत प्रोफाइल बनाते हैं। यह डेटा न केवल विज्ञापन के लिए उपयोग होता है, बल्कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील उद्देश्यों के लिए भी उपयोग किया जा सकता है, जिससे नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता खतरे में पड़ जाती है।

एल्गोरिथम की तानाशाही सिर्फ हमारी सूचना तक ही सीमित नहीं है, यह श्रम बाज़ार और सामाजिक न्याय को भी प्रभावित कर रही है। गिग इकोनॉमी में, ड्राइवरों और डिलीवरीबॉय को नियंत्रित करने वाले एल्गोरिथम अक्सर अपारदर्शी होते हैं, जिससे श्रमिकों को उनके काम की शर्तों, पारिश्रमिक और मूल्यांकन के बारे में कम या कोई जानकारी नहीं होती। यह एक नया डिजिटल लेबर फ़्यूडल सिस्टम है जहाँ मानव कर्मचारी एक कोड के अधीन हो जाते हैं।

इससे भी गंभीर बात यह है कि एल्गोरिथम, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उपयोग किए जाने वाले, अक्सर अपने प्रशिक्षण डेटा में निहित मानवीय पूर्वाग्रहों को दोहराते हैं। यदि किसी एल्गोरिथम को ऐतिहासिक रूप से एक विशिष्ट लिंग या जाति के लोगों पर लागू किया गया है, तो वह उन पूर्वाग्रहों को सीख लेगा और नौकरी के आवेदनों को छाँटने, ऋण स्वीकृत करने या यहाँ तक कि आपराधिक न्याय प्रणाली में फैसले सुनाने में भी उन्हें दोहराएगा। इस प्रकार, एल्गोरिथम, जिसके निष्पक्ष होने की उम्मीद थी, सामाजिक असमानताओं को और भी गहरा कर देता है।

एल्गोरिथम की तानाशाही कोई विज्ञान-कल्पना की अवधारणा नहीं है, यह हमारी वर्तमान वास्तविकता है। इससे लड़ने के लिए हमें तीन मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है। पहला मोर्चा है जागरूकता का, एक नागरिक के रूप में हमें यह समझना होगा कि हम ऑनलाइन केवल सामग्री के उपभोक्ता नहीं हैं, बल्कि सिस्टम के उत्पाद हैं। हमें हर ऑनलाइन जानकारी को संदेह की दृष्टि से देखते हुए उसका सत्यापन करना होगा और सक्रिय रूप से विविध स्त्रोतों की तलाश करनी होगी। दूसरा मोर्चा विनियमन का है, सरकारों को इन एल्गोरिथम को नियंत्रित करने वाली बड़ी तकनीकी कंपनियों पर पारदर्शिता और जवाबदेही लागू करने के लिए सख्त कानून बनाने होंगे। हमें यह जानने का अधिकार है कि कौन सा कोड हमारे सामाजिक और राजनीतिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। डेटा निजता कानून को मजबूत करने और व्यक्तिगत डेटा के व्यावसायिक उपयोग को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। तीसरा मोर्चा है एल्गोरिथम का ऑडिट, तकनीकी ऑडिटिंग संस्थाओं का निर्माण किया जाना चाहिए जो यह जाँच सकें कि ए आई और एल्गोरिथम भेदभावपूर्ण या नुकसानदेह पूर्वाठाहों के बिना काम कर रहे हैं। एल्गोरिथम एक उपकरण हैं, और किसी भी उपकरण की तरह, उनका उपयोग अच्छाई या बुराई के लिए किया जा सकता है। वर्तमान में, वे चुपचाप कुछ शक्तिशाली निगमों के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं, जो हमारी सामूहिक स्वतंत्रता के लिए खतरा है। अगर हम अपनी डिजिटल नियति को कोड के हाथों में जाने से रोकना चाहते हैं, तो अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल नागरिकता को गंभीरता से लें और इस अदृश्य तानाशाही को चुनौती दें। हमारी स्वतंत्रता, अंततः हमारी जागरूकता और एक्शन पर निर्भर करती है।

-सुरेंद्रसिंह शेखावत,
बीकानेर, (लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र टिप्पणीकार है)

राशिफल शनिवार 8 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 10:02 तक, शिव योग सायं 6:32 तक, विष्टि करण प्रातः 7:33 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:14 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा प्रातः 7:33 तक है। आज चतुर्थी तिथि का क्षय हुआ है। आज सौभाग्य सुंदरी व्रत, चतुर्थी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:06 से 9:28 तक, चर 12:11 से 1:32 तक, लाभ-अमृत 1:32 से 4:15 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 5:36 तक

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। धन हानि का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीनीकरण बिजली उत्पादन लक्ष्य में बड़ी भूमिका निभा रहा है राजस्थान

- **सौर शक्ति से आत्मनिर्भरता की राह पर राजस्थान**
- **प्रदेश में आगामी वर्ष तक 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर प्रोजेक्ट होंगे स्थापित**

राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में एक नए स्वर्णिम अध्याय की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक देश में 500 गीगावाट नवीनीकरण बिजली उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने में राजस्थान को बहुत बड़ी भूमिका निभानी है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में सोलर और विंड एनर्जी उत्पादन में बढ़ोतरी को औद्योगिक विकास से सीधा लिंक किया है। कम और प्रतिस्पर्धी कीमत पर बिजली उपलब्धता से उद्योग सेक्टर को बड़ा बूस्ट मिलेगा। मुख्यमंत्री की इसी दूरदृष्टि और ठोस नीति के परिणामस्वरूप आगामी वर्ष तक प्रदेश में 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी योजना से न केवल राज्य की बिजली जरूरतें पूरी होंगी बल्कि राजस्थान देश के सौर ऊर्जा हब के रूप में अपनी स्थिति और सशक्त करेगा।

भविष्य की दिशा : हर घर और खेत तक ऊर्जा

राज्य में डिस्कॉम्स द्वारा भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्त्वपूर्ण कार्य योजनाएं लागू की जा रही हैं। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत अगले वर्ष तक 11 हजार मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से किसानों को दिन के समय में बिजली की सुविधा सुनिश्चित होगी और कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ेगी। आर.डी.एस.एस. योजना के अंतर्गत प्रदेश में विद्युत वितरण तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत 33 केवी के 63 नए सब-स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। साथ ही 33 केवी स्तर के 317 फीडरों और 11 केवी स्तर के 3744 फीडरों का विभाजन किया जाएगा। 11 केवी के 1300 कृषि एवं गैर-कृषि फीडरों का पृथक्करण और 27,963 किलोमीटर लंबी एलटी केबल बिछाने का कार्य भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन 33/11 केवी सबस्टेशनों पर कुसुम योजना के घटक 'ए' एवं 'सी' के अंतर्गत संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, वहां स्थापित संयंत्र की क्षमता के आधार पर प्राथमिकता से नए कृषि कनेक्शन जारी किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक राज्य के सभी जिलों में दिन के समय किसानों को बिजली उपलब्ध कराई जा सके।

बिजली वितरण का मजबूत तंत्र :- राज्य सरकार के वर्तमान कार्यकाल में विद्युत वितरण निगमों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। राजस्थान में तीनों डिस्कॉम्स जयपुर, जोधपुर और अजमेर ने संयुक्त रूप से विद्युत वितरण व्यवस्था को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

अब तक राज्य की सर्वकालिक अधिकतम विद्युत मांग 19,165 मेगावाट दर्ज की गई, जिसे बिना किसी विद्युत कटौती के पूरा किया गया। यह उपलब्धि राजस्थान को ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करती है। तीनों डिस्कॉम्स में यूनिफाइड ऑनलाइन बिलिंग सिस्टम लागू किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को पारदर्शी और एकीकृत सेवाएं मिल रही हैं। सरकार के इस कार्यकाल में सितम्बर माह तक 8,76,036 घरेलू विद्युत कनेक्शन और 1 नवम्बर 2025 तक 1,83,570 कृषि कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसी अवधि में 33 केवी के 327 सब-स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आपूर्ति की गुणवत्ता बेहतर हुई है। राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन को गति देने के लिए पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत अब तक 2077 मेगावाट की क्षमता की 914 सौर परियोजनाएँ स्थापित की जा चुकी हैं। इनसे लगभग 1,35,000 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अक्टूबर माह तक 95,727 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे 392 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता का उत्पादन हो रहा है।

राजस्थान का ऊर्जा तंत्र अब केवल वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा उत्पादन, वितरण तंत्र का आधुनिकीकरण और किसानों के हित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश आने वाले वर्षों में स्वच्छ, सतत और सशक्त ऊर्जा राज्य के रूप में उभरेगा।

आशीष जैन, सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 364 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार, 8 नवम्बर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'उन्नीस सौ सैंतीस में राष्ट्रीय गान के चार छंद हटवाकर पं. नेहरू ने देश के विभाजन का बीज बोया था'

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गान वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगाँठ पर आयोजित समारोह में सार्वजनिक मंच से पं. नेहरू पर यह आरोप लगाया

- मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रीय गान के छंदों को पढ़कर सुनाया और कहा, कांग्रेस ने केवल प्रथम दो छंदों को स्वीकार करके राष्ट्रीय गान का स्वरूप दिया और चार छंद इतिहास में दफन हो गए।
- इस संदर्भ में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने 1937 का वह पत्र भी पेश किया जो नेहरू ने सुभाष चन्द्र बोस को लिखा था।
- उस पत्र में नेहरू जी ने लिखा था कि बाकी छंदों से मुसलमानों को आपत्ति हो सकती है।
- जैसा कि विदित ही है, चार छंदों में देश को दुर्गा, लक्ष्मी व सरस्वती का स्वरूप बताया गया है।
- केशवन के अनुसार, नेहरू जी के विचार एक ऐतिहासिक भूल थी, क्योंकि इससे देशभक्ति पूर्ण गान का राष्ट्रीय प्रतीक कमज़ोर हुआ।
- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक के बिहार के चुनाव प्रचार में भाजपा ने हिन्दुत्व को केवल पृष्ठभूमि में ही रखा था। पर, दूसरे चरण में सीमांचल जिलों में मतदान होगा, जो मुस्लिम प्रभाव की सीटें हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या सीमांचल क्षेत्र में मतदान से पूर्व वंदे मातरम् को विवाद के रूप में प्रस्तुत करके भाजपा अपना हिंदू वोट बैंक पक्का कर रही है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। बिहार में दूसरे चरण के मतदान से पहले, जिसमें मुस्लिम बहुल सीमांचल जिले शामिल हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''वंदे मातरम्'' विवाद को दोबारा छेड़ दिया है। उन्होंने 1937 में इस गीत से कुछ महत्वपूर्ण स्टैन्ज़ा हटाने के लिये, कांग्रेस, और विशेष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, की कड़ी आलोचना की है।

योगी आदित्यनाथ और गिरिराज सिंह जैसे कुछ नेताओं की इक्का-दुक्का टिप्पणियों को छोड़ दें, तो इस बार के बिहार चुनाव में भाजपा ने हिंदुत्व का मुद्दा नहीं उठाया है। चुनाव में बेरोजगारी, पलायन और विकास की कमी जैसे मुद्दे छाए रहे हैं। लेकिन मोदी ने वंदे मातरम् के मुद्दे को उठाकर हिंदू वोट बैंक को एकजुट करने की कोशिश की है।

राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ के वर्षभर चलने वाले उत्सव का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने गीत के अहम पदों को हटाकर विभाजन के बीज बोए थे। इस अवसर पर, उन्होंने पूरे गीत का पाठ भी किया।

छह पदों के इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनता को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। लेकिन इसके केवल पहले दो पदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विधायक मलिंगा के खिलाफ सुनवाई जयपुर में ही होगी

- सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट के केस जयपुर ट्रॉंसफर करने के निर्णय को बरकरार रखा।

जयपुर, 7 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने बिजली कंपनी के एईएन से मारपीट के मामले में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के खिलाफ धौलपुर की अदालत में चल रही सुनवाई को जयपुर की एससी, एसटी कोर्ट में ट्रांसफर करने के राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर अपील को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश गिर्राज सिंह मलिंगा की अपील को खारिज करते हुए दिए। अपील में राजस्थान हाईकोर्ट के गत जुलाई माह के आदेश को चुनौती दी गई थी।

अपील में कहा गया कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने केस को गलत तरीके से दूसरे जिले में ट्रांसफर किया है। इसके अलावा शिकायतकर्ता के परिजन वकील हैं और जयपुर में प्रैक्टिस करते हैं। ऐसे में वे सुनवाई में व्यवधान डालते हैं। इसलिए मामले को वापस धौलपुर या भरतपुर कोर्ट में शिफ्ट किया जाए। पीड़ित हर्षाधिपति की ओर से कहा गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'छठ पूजा के अवसर पर घर लौटे बिहारी चुनाव का अबूझ रहस्यमय पहलू हैं'

ये प्रवासी बिहारी मतदान तक वापस नहीं लौटे और उन्होंने जमकर वोटिंग की, ऐसा प्रशांत किशोर का मानना है

- प्रशांत किशोर का यह भी कहना है कि मतदान प्रतिशत में जो ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, उसका कारण भी इन्हीं प्रवासियों का वोट है।
- प्रशांत किशोर का यह भी दावा है कि उनकी जन सुराज पार्टी ने इन प्रवासी बिहारियों की सोच पर बहुत प्रभाव डाला है।
- जैसा कि इन बिहारी प्रवासियों के विभिन्न ओपिनियन पोल सर्वे से स्पष्ट नज़र आया।
- प्रशांत किशोर ने यह भी पुरजोर ढंग से कहा कि बिहारियों में परिवर्तन की भारी और गहरी चाहत है और वे गत तीस साल से राजनीतिक दलदल में फंस गए थे और निकलने क लिए छटपटा रहे थे।
- अब उनकी पार्टी एक राजनीति विकल्प के रूप में सामने आई है और बिहारियों में आशा की किरण जगी है। यह भी अभूतपूर्व मतदान का एक कारण है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को कहा कि छठ पर्व के लिए बिहार लौटे वे प्रवासी, जो अब तक अपने काम की जगहों पर वापस नहीं गए हैं, विधानसभा चुनावों में ''एक्स फैक्टर'' साबित हो सकते हैं।

पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार, जिनकी नई पार्टी को, विभिन्न सर्वेक्षणों और जनमत संग्रहों के अनुसार, ''प्रवासियों'' के बीच काफी समर्थन मिल रहा है, ने यह दावा पहले चरण के मतदान के बाद किया, जिसमें रिकॉर्ड 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ।

किशोर ने कहा, ''स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान यही साबित करता है कि बिहार में बदलाव की बहुत ही जबरदस्त इच्छा है। यहाँ के लोग लगभग 30 साल से एक राजनीतिक जड़ता में फंसे हुए हैं।''

उन्होंने कहा कि अब लोगों को एक नई उम्मीद की झलक दिख रही है, क्योंकि उनकी एक साल पुरानी पार्टी एक व्यवहारिक और मजबूत विकल्प के रूप में उभरी है।

साल 2005 से सत्ता में रहे एनडीए की आलोचना करते हुए जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने कहा, ''इन लोगों को लगा था कि वे महिलाओं को कुछ खैरात और रियायतें देकर चुनाव जीत सकते हैं। हाँ, महिलाएं बड़ी संख्या में वोट देने आईं, लेकिन इस चुनाव में असली ''एक्स फैक्टर'' प्रवासी ही हैं।''

चीन के युद्ध पोतों की संख्या अमेरिकी नौसैनिक पोतों से 20 प्रतिशत ज्यादा हो चुकी है

और हाल ही में चीन ने अपने नवीनतम एयरक्राफ्ट कैरियर ''फुजियान'' को नौसेना में शामिल किया, जो तकनीकी दृष्टि से भी कमज़ोर नहीं है और उसके नौसैनिक जहाज अमेरिका के नौसैनिक जहाजों से आगे निकल रहे हैं

- यह स्थिति अमेरिका के लिए चुनौतीपूर्ण तो है ही, पर, भारत के लिए भी चिंता का विषय है।
- चीन के नौसैनिक जहाज हिंद महासागर में आए दिन अतिक्रमण और घुसपैठ करते रहे हैं और कभी भी आमने-सामने की स्थिति बन सकती है।
- वैसे भी चीन साउथ चाइना सी को अपना प्ले ग्राउण्ड मानता रहा है।
- फिलीपींस, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम, चीन की इस दादागिरी से काफी त्रसित हैं। पर, विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं, लगभग ऐसी ही स्थिति भारत की हिंद महासागर के संदर्भ में है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। चीन ने इस सप्ताह अपने नवीनतम विमानवाहक पोत ''फुजियान'' को नौसेना में शामिल कर लिया, जिससे यह बात एक बार फिर साबित हो गई है कि जहाजों की संख्या के लिहाज़ से चीन अब दुनिया की सबसे बड़ी समुद्री नौसेना है।

फुजियान विमानवाहक पोत आकार और क्षमता दोनों में अमेरिकी नौसेना के सबसे बड़े पोतों के बराबर है। इसे पूरी तरह चीन में ही एक घरेलू शिपयार्ड में तैयार किया गया है। इसमें एक विशेष विमान लिफ्ट प्रणाली (एयरक्राफ्ट लिफ्ट सिस्टम) लगाई गई है, जो इसके विमानों को हथियारों और ईंधन के अधिक भार के साथ आसानी से उड़ान भरने में सक्षम बनाती है।

''इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट'' नामक यह विशेष विमान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजकॉम्प में करोड़ों के फर्जीवाड़े पर हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

- अदालत ने कार्मिक सचिव, आईटी सचिव तथा एसीबी डीजी से जवाब तलब किया है।

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजकॉम्प के लीगल मेट्रोलॉजी एवं ईपीडीएस प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े के मामले में कार्मिक सचिव, आईटी सचिव और एसीबी डीजी से जवाब मांगा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि राजकॉम्प के लीगल मेट्रोलॉजी एंड ईपीडीएस प्रोजेक्ट में दो लोगों को साल 2020 तक करीब तीन लाख रुपए प्रतिमाह के आधार पर नियुक्त किया गया। जिसे बार-बार कांट छांट कर 2022 तक बढ़ा या गया। इसी तरह ईपीडीएस प्रोजेक्ट में पोस मशीन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधिकतर देश के इकॉनमिस्ट एसबीआई के अध्यक्ष शेट्टी के आंकलन से सहमत हैं

शेट्टी का मानना है कि आंकड़ों की दृष्टि से भारत की जीडीपी आदि का मापदंड कुछ ज्यादा ही आशाजनक तस्वीर पेश करते हैं

- इन अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत की इकॉनमी की हालत ठीक तो है, पर, सिस्टम में काफी आंतरिक कमज़ोरियाँ भी हैं, जिनसे सावधान रहना जरूरी है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद बोलते हुए चेयरमैन सी.एस. शेट्टी ने भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर सतर्क आशावाद जताया। उन्होंने एक ऐसे देश की तस्वीर पेश की, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी लचीला और मजबूत बना हुआ है। लेकिन इस आत्मविश्वास के पीछे एक जटिल सच्चाई भी छिपी है, जो यह संकेत देती है कि भारत की वृद्धि भले ही मजबूत दिख रही हो, पर वह अभी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, वर्ष 2025 में ग्लोबल जीडीपी वृद्धि लगभग 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके मुकाबले, भारत की जीडीपी के वित्त वर्ष 2025-26 में 6.8 प्रतिशत और 2026-27 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। शेट्टी ने इसका श्रेय मजबूत निवेश, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार और बढ़ती खपत को दिया। आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन कुछ विश्लेषक चेतावनी देते हैं कि इनके पीछे कई गहरी कमजोरियां छिपी हैं, जैसे कि ऋण और जमा राशि की वृद्धि में बढ़ता अंतर, लगातार बनी हुई महंगाई और अलग-अलग क्षेत्रों में असमान सुधार।

शेट्टी ने बताया कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में ऋण वृद्धि 11.5 प्रतिशत है, जबकि जमा वृद्धि केवल 9.5 प्रतिशत पर अटकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले वित्त वर्ष में दोनों 11 से 12 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो जाएंगे। हालांकि, यह आशावाद अतिशयोक्तिपूर्ण हो सकता है। लेकिन अर्थशास्त्री आगाह करते हैं कि जमा वृद्धि में धीमी वृद्धि परिवारों की कमजोर वित्तीय स्थिति और घटती बचत को दिखाती है, क्योंकि बढ़ती महंगाई से लोगों की वास्तविक आय घट रही है। अगर यह स्थिति जारी रही, तो बैंकों के लिए कर्ज देने की क्षमता सीमित हो जाएगी, जिससे उन्हें थोक उधारी या ऊंची ब्याज दरों पर निर्भर होना पड़ेगा, जो उनके मुनाफे पर दबाव डालेगा।

नोमुरा की मुख्य अर्थशास्त्री सोनल वर्मा के अनुसार, ''लोग अब अपनी बचत का इस्तेमाल रोजमर्रा की खपत के लिए करने लगे हैं। यह दीर्घकालिक वृद्धि का टिकाऊ आधार नहीं है।''

इसके अलावा, घरेलू मांग भले ही कागज़ों पर मजबूत दिख रही हो, पर उसका बड़ा हिस्सा अमीर तबके की खपत से आ रहा है। शहरी इलाकों में गाड़ियों, मकानों और उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण खपत, जो असली आर्थिक सुधार का पैमाना मानी जाती है, अब भी कमजोर है। अनियमित मानसून, ठहरी हुई ग्रामीण मजदूरी और कृषि आय में कमी ने ग्रामीण मांग को दबा दिया है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने कहा, ''ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार की बात शायद अभी जल्दबाजी होगी। हम कुछ क्षेत्रों में सुधार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शराबी डम्पर चालक की पैरवी से वकीलों का इन्कार

- शराब के नशे में धुत्त डम्पर चालक ने 14 लोगों को कुचल दिया था।

जयपुर, 7 नवंबर। हरमाड़ा थाना इलाके में शराब के नशे में धुत्त होकर 14 लोगों को मौत के घाट उतारने वाले डंपर चालक कल्याण मीणा को चौमूं के अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने उसे 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस भीषण हादसे को देखते हुए वकीलों ने डंपर चालक कल्याण मीणा की पैरवी करने से इंकार कर दिया। न्यायालय ने आरोपी कल्याण मीणा को पेश करने के साथ ही पुलिस को इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत अनुसंधान करने के आदेश दिए। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान सरकार की ओर से अभियोजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फीफा ट्रंप को शांति पुरुस्कार देने की तैयारी में है

फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फैंटीनो, ट्रंप के नज़दीकी समर्थक हैं और 2026 में फीफा कप के आयोजन के लिए अमेरिका की निविदा के प्रबल समर्थक हैं

- अतः इन्फैंटिनो द्वारा पाँच दिसम्बर को वॉशिंगटन में निविदाओं पर अंतिम निर्णय लिया जायेगा।
- इन्फैंटिनो इस मौके को ट्रंप को उपकारित करने का अच्छा अवसर मानते हैं। फीफा पीस प्राइस दे कर।
- ट्रंप को भी इस ''सम्मान'' से राजनीतिक लाभ मिलने की अपेक्षा है, क्योंकि वॉशिंगटन के कैनेडी सैंटर में ट्रंप को इस सम्मान से नवाजा जा सकता है।
- पर, अहं सवाल यह है कि फीफा शांति पुरुस्कार की नोबेल पीस प्राइस से तुलना होगी ही और फीफा सम्मान बहुत फीका नज़र आयेगा, नोबल पीस प्राइस के समक्ष।
- नोबल पीस प्राइस 1895 से दिया जा रहा है और वह राजनीति से अपने आप को अछूता रखता है। दूसरी ओर फीफा विवादित स्पॉन्सरशिप व कॉमर्शियल राईट्स से सदा से ग्रसित रहा है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। जब इस हफ्ते फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो से पूछा गया कि क्या डॉनल्ड ट्रम्प को नया फीफा शांति पुरस्कार मिलेगा, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 5 दिसंबर को आप देख लेंगे। इस एक वाक्य ने वाशिंगटन डी.सी. में होने वाले विश्व कप ड्रॉ से पहले तरह-तरह के कयासों का तूफान खड़ा कर दिया है, जहां यह पहला पुरस्कार दिया जाएगा।

इसके बाद जो सवाल उठता है, वह यह है कि नोबल शांति पुरस्कार की तुलना में फीफा शांति पुरस्कार की अहमियत क्या होगी।

नोबेल शांति पुरस्कार, जिसे 1895 में अल्फ्रेड नोबेल ने स्थापित किया था, लंबे समय से दुनिया के नैतिक दिशासूचक के रूप में जाना जाता है। नॉर्वेजियन संसद के अधीन एक स्वतंत्र समिति द्वारा संचालित इस पुरस्कार ने नेल्सन मंडेला और मलाला यूसुफ़ज़ई से लेकर संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम तक, कई बार, इतिहास को आकार दिया है। भले ही यह कभी-कभी विवादास्पद रहा हो, जैसे बराक ओबामा को 2009 में या 1994 में यासिर अराफात और राबिन को दिये गये पुरस्कार, लेकिन नोबेल पुरस्कार की साख इसकी स्वतंत्रता और नैतिक उद्देश्य से उपजी है।

इसके विपरीत, फीफा का नया शांति पुरस्कार एक ऐसे खेल संगठन की पहल है, जो अपनी अंतरात्मा की आवाज से ज्यादा अरबों डॉलर की स्पॉन्सरशिप और भ्रष्टाचार घोटालों के लिये जाना जाता है। ''फुटबॉल यूनाइट्स द वर्ल्ड'' नामक यह पुरस्कार ''शांति के लिए असाधारण कार्यों'' का सम्मान करने का दावा करता है। लेकिन इसमें न तो नामांकन की कोई स्पष्ट प्रक्रिया है, न ही जूरी की जानकारी सार्वजनिक की गई है, इसलिए इसकी विश्वसनीयता पूरी तरह फीफा के शब्दों पर टिकी है।

अगर यह पुरस्कार ट्रम्प को दिया गया, तो इसे एक राजनीति नाटक के रुप में देखा जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प, इन्फैंटिनो के घनिष्ठ सहयोगी रहे हैं और 2026 विश्व कप की संयुक्त मेज़बानी (अमेरिका, कैनडा और मेक्सिको) के प्रबल समर्थक भी रहे हैं। ऐसे में ''शांति'' के नाम पर दिया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरएएस का बंद लिफाफा खोल परिणाम जारी करें

- अपीलीय अधिकरण ने कहा कि ऐसा प्रमोशन एसीबी कोर्ट के फैसले के अधीन रहेगा।

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह आरएएस हायर सुपर टाइम स्केल में साल 2021-2022 की रिक्ति के विरुद्ध राजस्व मंडल के पूर्व सदस्य भंवरलाल मेहरडा की पदोन्नति के परिणाम का बंद लिफाफा खोलकर परिणाम जारी करे। यदि वह योग्य पाया जाता है तो उसे उस तिथि से पदोन्नत किया जाए, जिस तिथि से उसके जूनियर अफसरों को प्रमोशन मिला है। अधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यह पदोन्नति एसीबी कोर्ट में लंबित प्रकरण के फैसले के अधीन रहेगी। अधिकरण ने यह आदेश भंवरलाल मेहरडा की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुलिस ने मुठभेड़ में इनामी बदमाश जाहिद को गोली मारकर किया गिरफ्तार

डीएसटी और खोह थाना पुलिस ने एक कट्टा और 10 जिंदा कारतूस भी जब्त किये

- डीएसटी टीम और खोह थाना पुलिस की टीम को देख शातिर बदमाश जाहिद भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी
- पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों पैरों में घुटनों के नीचे गोलियां लगने बदमाश जाहिद घायल हो गया

डीग/भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के खोह थाना क्षेत्र में शुक्रवार की तड़के 4 बजे जटेरी और हयातपुर के डीएसटी टीम और खोह थाना पुलिस के साथ मुठभेड़ में 10 हजार का इनामी बदमाश जाहिद उर्फ़ बुलटी पुत्र नसरू मेव निवासी गढ़ी मेवात थाना खोह जिला डीग जवाबी कार्रवाई में दोनों पैरों में पुलिस ने गोली मार कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे डीग के जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए आरबीएम जिला हॉस्पिटल भरतपुर रैफर कर दिया। पुलिस ने उसके पास से एक कट्टा 315 बोर एवं 10 जिंदा कारतूस 315 बोर के और एक अपाचे मोटरसाइकिल विना नंबरी जब्त की है।

खोह थाना प्रभारी महेंद्र शर्मा ने बताया है कि शुक्रवार की तड़के करीब चार बजे बदमाशों की तलाश में एस आई वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में डी एस टी टीम और सी आई महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में खोह थाना पुलिस की टीम गांव जटेरी और हयातपुर के बीच मोनी बाबा के आश्रम के पास पहुंची तो उन्हें वहां अपाची बाइक पर गढ़ी मेव निवासी शातिर बदमाश जाहिद उर्फ बुल्टी मेव दिखाई दिया जो पुलिस को देख भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जिस पर पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों पैरों में घुटनों के नीचे पुलिस की गोलियां लगने बदमाश जाहिद घायल हो गया।

थाना प्रभारी शर्मा के अनुसार जाहिद ने पुलिस पर अपने पास मौजूद अवैध 315 बोर कट्टे से 20 राउंड फायर किए। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में डीएसटी टीम और पुलिस ने 8 राउंड फायरिंग की जिसमें 2 गोलियां जाहिद के दोनों घुटनों के नीचे पैरों में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस को मुठभेड़ के स्थान से गोलियों के पांच खाली खोखे मिले हैं। फिलहाल घायल आरोपी जाहिद इलाज के लिए आरबीएम जिला हॉस्पिटल भरतपुर में भर्ती है। पुलिस की अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर यूपी पुलिस की तरह राजस्थान में भी किए गए आपरेशन लंगड़ा को लेकर भय भय व्याप्त हो गया है।

नाबालिग को बेचने का मामला दर्ज : पीड़ित ने अपने जमाई के खिलाफ पुत्री को गुजरात में बेचने की आशंका के चलते उदयपुर के कोटडा पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित पुना पुत्र मकना पारगी निवासी बोरदीकला कोटडा ने अपने जमाई दीना पुत्र रायसा खोखरिया निवासी बोर्डी कला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी गुजरात में मजदूरी एवं अन्य काम करता हैं। 13 जून को आरोपी मेरी नाबालिग पुत्री को अपने साथ ले गया जो वापस नहीं आई।

घायल बदमाश जाहिद को अस्पताल में भर्ती करवाया।

डूंगरगढ़ में नकली सरस घी बिक्री का पर्दाफाश

- बीकानेर की उरमूल डेयरा को सूचना मिली कि डूंगरगढ़ में डेयरी दर से काफी कम दाम पर सरस घी की बिक्री हो रही है
- संदेह होने पर डेयरी प्रशासन ने एक बोगस ग्राहक भेजकर स्थिति की जांच की, जिसमें घी की असलियत पर संदेह की पुष्टि हुई
- उरमूल डेयरी और सीएमएचओ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्ध घी के 15 किलो और एक-एक किलो पैकिंग वाले सैंपल लिए

बीकानेर, (निसं)। उरमूल डेयरी की सजगता और प्रशासनिक तत्परता ने डूंगरगढ़ में नकली सरस घी के बड़े जाल को उजागर कर दिया। बीकानेर की उरमूल डेयरी, जो राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन जयपुर से संबद्ध है, को सूचना मिली कि डूंगरगढ़ में डेयरी दर से काफी कम दाम पर सरस घी की बिक्री हो रही है। संदेह होने पर डेयरी प्रशासन ने एक बोगस ग्राहक भेजकर स्थिति की जांच की, जिसमें घी की असलियत पर संदेह की पुष्टि हुई।

इसके बाद उरमूल डेयरी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (सीएमएचओ) की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्ध घी के 15 किलो और एक-एक किलो पैकिंग वाले सैंपल लिए। जांच के दौरान सामने आया कि घी के टिन पर लिखे बैच नंबर, निर्माण तिथि और अंतिम उपयोग तिथि पैकिंग के गत्ते से मेल नहीं खा रहे थे। इतना ही नहीं, टिनों पर अलग-अलग जिलों की सरस डेयरी की मार्किंग पाई गई, जिससे मिलावट का संदेह और गहरा गया। मामले में फर्म मालिक के जवाब भी भ्रामक मिले। फिलहाल सैंपल लैब जांच के लिए भेजे गए हैं। सामान्य तौर पर डेयरी उत्पादों के निर्धारित दामों में इतनी गिरावट असंभव लगने पर डेयरी प्रशासन ने तत्काल जांच का निर्णय लिया।

उरमूल डेयरी के प्रबंध संचालक बाबूलाल बिश्नोई ने बताया कि इस सूचना के बाद एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें प्लांट मैनेजर ओमप्रकाश भांभू, प्रभारी क्वालिटी कंट्रोल आरएस सैंगर, प्रभारी मार्केटिंग मोहन सिंह चौधरी तथा सीएमएचओ टीम से भानूप्रकाश, सुरेंद्र और राकेश गोदारा शामिल थे। टीम ने सबसे पहले एक बोगस ग्राहक को संदिग्ध दुकान पर भेजा। ग्राहक ने 15 किलो घी का टिन मांगा और उसके पैसे ऑनलाइन भुगतान कर दिए। लेनदेन पूरा होते ही उरमूल डेयरी और सीएमएचओ की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान टीम को पता चला कि टिन पर छपी निर्माण तिथि और बैच नंबर, पैकिंग गत्ते पर लिखे विवरण से मेल नहीं खा रहे थे। कुछ टिनों पर अलग-अलग जिलों की सरस डेयरियों की मार्किंग भी थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पैकिंग और ब्रांडिंग में छेड़छाड़ की गई है। जब टीम ने दुकान मालिक से पूछताछ की तो उसने गोदाम का सही पता बताने में टालमटोल शुरू कर दी। इतना ही नहीं, वह टीम को गलत चाबियां और दूसरे गोदामों के पते देकर भटकाता रहा। दुकान का नाम बद्रीलाल श्याम सुंदर राठी बताया गया है, जो डूंगरगढ़ की अमर पट्टी में स्थित है। मामले की गंभीरता देखते हुए टीम डूंगरगढ़ पुलिस थाने पहुंची, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया।

थाना अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों की रिपोर्ट जयपुर स्तर पर दर्ज की जाती है। फिलहाल सीएमएचओ की टीम ने घी के सैंपल जब्त कर जांच के लिए लैब भेज दिए हैं।

पुष्कर मेले में राजस्थान महिला कल्याण मंडल को प्रथम पुरस्कार मिला

पुष्कर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले में आयोजित विकास प्रदर्शनी के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राजस्थान महिला कल्याण

- विकास प्रदर्शनी के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया

मंडल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मेले के समापन समारोह के दौरान जिला कलेक्टर लोकबंधु द्वारा प्रदान किया गया।

संस्था की सचिव एवं कार्यकारी क्षमा आर. कौशिक ने बताया कि विकास प्रदर्शनी में संस्था द्वारा जन-जागरूकता प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसे मेले प्रबंधन द्वारा प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से मेले में आए आगंतुकों को दिव्यांगजन के अधिकारों, पुनर्वास, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। संस्था द्वारा चैलेंजिंग चलेंजे गतिविधि के माध्यम से लोगों को दिव्यांगजन द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियों का अनुभव कराया गया, जिससे समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। कौशिक ने इस उपलब्धि के लिए संस्था के सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान महिला कल्याण मंडल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

मूर्तिपूजा पर टिप्पणी करने वाला पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना क्षैत्र में रात के समय मूर्ति पूजा पर विवादित टिप्पणी के पर्चे फेंकने वाले को पश्चिम बंगाल से पुलिस ने गिरफ्तार किया। 24 सितंबर को शांतिलाल पुत्र तेजपाल निवासी डबोक चौराहा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरी विनायक ज्वैलर्स नाम से डबोक चौराहा पर दुकान है। एक दिन पूर्व सवेरे दुकान खोली तो शटर के नीचे एक ईसाई धर्म के मंतव्य का पर्चा मिला। जिस पर मूर्ति पूजा पर विवादित टिप्पणी लिखी थी। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने डबोक थाना उप निरीक्षक बाबूलाल ने पश्चिम बंगाल जलपाई गुड्डी से डेनियल ओल्टीनों पुत्र अ.ए. ओल्टीनो अलीकष सांदरू निवासी रायकत पारा थाना कोतवाली जलपाईगुडी पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने ईसाई धर्म का धर्मगुरू होकर धर्म का प्रचार करना एवं स्कूल के बच्चों को ईसाई धर्म के ज्ञान करा ईसाई प्रार्थना करवाना बताया।

वासुदेव देवनानी की पत्नी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे जनप्रतिनिधि और अधिकारी

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी स्व. इंदिरा देवनानी को शुक्रवार को उनके निवास पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और शहरवासी उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय इंदिरा देवनानी के सरल, स्नेहिल और सेवा भाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभी ने वासुदेव देवनानी एवं परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में सभी ने कहा कि स्व. इंदिरा देवनानी का जीवन सादगी, समर्पण और सेवा की मिसाल रहा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को अंतिम नमन किया। पूरे वातावरण में श्रद्धा और भावनाओं का आलोक छा गया। इस अवसर पर राजस्थान कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, मंत्री जवाहर सिंह बेढम, सांसद भजन लाल जाटव, विधायक शमाराम गरासिया, रेवंतराम डांगा, घनश्याम मेहर एवं हमीर सिंह भायल, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, प्रदेश महासचिव भाजपा मुकेश दाधीच, पूर्व विधायक राकेश पारीक, नसीम अख्तर, गोपाल बाहेती, वीरेंद्र प्रताप सिंह गुड़ा, भाजपा प्रदेश पदाधिकारी सोमकांत शर्मा, महेश शर्मा, विक्रांत खंडेलवाल, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने श्रद्धांजलि दी। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने फोन पर सांत्वना दी।

काना पहाड़ में खनन का विवाद एनजीटी तक पहुंचा

- सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल के अधिकारी काना पहाड़ का जायजा लेने पहुंचे
- करीब दो घंटे तक काना पहाड़ की धरातली हकीकत और क्षेत्र के लोगों से बातचीत करने के बाद टीम वापिस लौट गई टीम

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के बीच में स्थित काना पहाड़ में खनन का विवाद अब एनजीटी तक पहुंच गया है। क्षेत्र के प्रभावित लोगों ने आपस में ही चंदा इकट्ठा कर एनजीटी भोपाल में अपनी याचिका लगाई, जिसका असर देखने को मिला है। याचिका में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल के अतिरिक्त निदेशक सुनिल मीणा की अगुवाई में एक जांच टीम झुंझुनूं पहुंची। स्टेट पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सुधीर यादव, जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम कौशल्या विश्नोई, तहसीलदार महेंद्र मूंड, खनन अभियंता रामलाल सिंह के साथ करीब दो घंटे तक काना पहाड़ की धरातली हकीकत और क्षेत्र के लोगों से बातचीत करने के बाद टीम वापिस लौट गई।

कृषि विभाग के रिटायर्ड उप निदेशक और क्षेत्रवासरी अकरम अली ने बताया कि काना पहाड़ में खनन बंद करने को लेकर लंबे समय से मांग की जा रही है। 2007 में तत्कालीन एसडीएम और कलेक्टर ने काना पहाड़ में खनन बंद करने की सिफारिश भी कर दी थी, लेकिन खान विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मिलीभगत कर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को दरकिनार कर खनन की परमिशन दे दी। जिसके खिलाफ अब क्षेत्र के लोगों ने ही आपस में चंदा इकट्ठा कर एनजीटी में गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि यहां पर 50-60 घर तो खनन से पूरी तरह और 100 से ज्यादा घर आंशिक रूप से प्रभावित है। यह क्षेत्र मास्टर प्लान में भी पर्यावरण प्रगति के लिए आरक्षित है। सभी बातों को दरकिनार करके खनिज विभाग और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस क्षेत्र में खनन शुरू करवाने पर आमादा है।

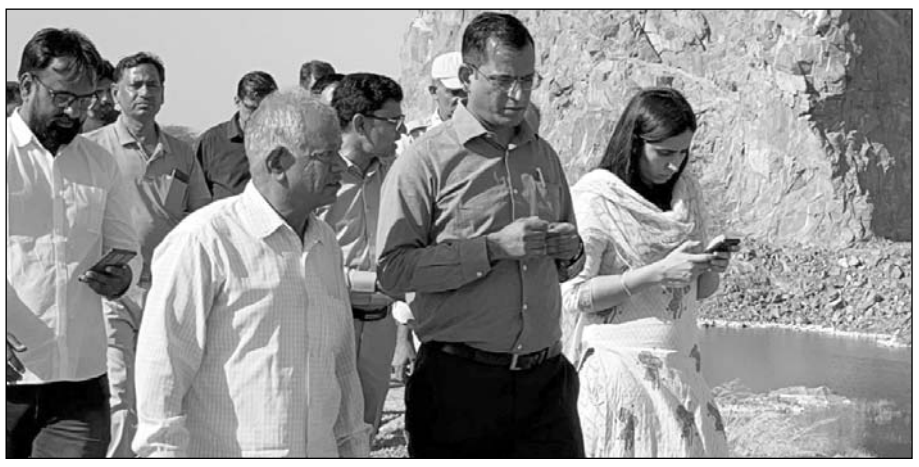

जानकारी के अनुसार शहर के समस तालाब के नजदीक काना पहाड़ क्षेत्र में टीम ने काना पहाड़ी में खनन से हुई खदान, तालाब, कबूतर खाना, काना पहाड़, समस तालाब, पशु उप चिकित्सा केंद्र, मंदिर, दरगाह समेत खनन क्षेत्र से सटे परिया का बारीकी से जायजा लिया। इस टीम ने स्थानीय लोगों के साथ ही खनन धारकों से भी बातचीत कर उनका पक्ष जाना। एनजीटी के निर्देश पर आई टीम को 17 नवंबर से पहले रिपोर्ट एनजीटी को प्रस्तुत करनी है, क्योंकि इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को है।

शहर की आबादी से सटे काना पहाड़ में लंबे समय से खनन कार्य बंद था। 2022 में यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में स्टेट लेवल एनवायरमेंट एसेसमेंट अथॉरिटी को इस मामले में सुनवाई करने को कहा।

सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल की टीम काना पहाड़ का जायजा लेने पहुंची।

टूटी सड़क से उड़ती धूल और मिट्टी से आमजन परेशान

भीलवाड़ा, (निसं)। गुलाबपुरा नगर पालिका क्षेत्र में अंडरब्रिज से धूनी मार्ग तक टूटी सड़क से उड़ती धूल-मिट्टी ने स्थानीय निवासियों का जीना मुश्किल कर दिया है। शुक्रवार को वार्ड संख्या पांच गणेश कॉलोनी की महिलाओं ने सड़क जाम कर नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं का कहना है कि पिछले दो माह पूर्व इस सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन बारिश के बाद सड़क पूरी तरह से गड्ढों और मिट्टी में बदल गई है। नगर पालिका प्रतिदिन टैंकरों से पानी डालकर धूल को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। महिलाओं ने बताया कि घरों में धूल-मिट्टी भर जाने से खाना बनाना, बच्चों को संभालना तक मुश्किल हो गया है। बर्तनों और रसोई में हर जगह मिट्टी जम जाती है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही वंदना सोनी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की और नई सड़क का निर्माण शुरू नहीं कराया तो आंदोलन और उग्र होगा। महिलाओं ने प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके।

कस्टोडियन भूमि के बहुचर्चित मामले में 19 गांवों के किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे

कस्टोडियन भूमि नियमन आवंटन किसान संघर्ष समिति ने जिला कलेक्टर से किसानों को जमीन का आवंटन करने की मांग रखी

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में कस्टोडियन जमीनों को सरकारी घोषित करने के बहुचर्चित मामले को लेकर जहां 10 नवम्बर को जिला कलेक्ट्रेट के सामने महापड़ाव का ऐलान किया गया है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को क्षेत्र के 19 गांवों के सैकड़ों पीड़ित किसान जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत से मिले और राजस्व मंत्री के निर्देशानुसार पीड़ित किसानों को पुन: उनकी जमीनें सुपुर्द करने की मांग की।

इस मौके पर किसानों ने जिला कलेक्टर को बताया कि डीडवाना विधायक यूनुस खान ने राजस्व मंत्री हेमंत मीणा से मुलाकात कर डीडवाना में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कस्टोडियन जमीनों को वास्तविक कब्जाधारी किसानों को कानूनन नियमन व आवंटन करने की मांग की थी। यूनुस खान ने राजस्व मंत्री को बताया कि राजस्थान के 10 जिलों के 8695 कब्जाधारी किसानों को कस्टोडियन जमीनों का आवंटन किया जा चुका है, लेकिन डीडवाना जिले में आज तक इन जमीनों का किसानों को आवंटन नहीं किया गया। जिस पर राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर को इस मामले की तथ्यात्मक व सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

किसानों ने बताया कि भारत विभाजन के दौरान 1947 में बड़ी संख्या में मुस्लिम परिवार पाकिस्तान चले गए थे। उनके पलायन के बाद डीडवाना के लगभग 19 गांवों में उनकी ज़मीनों को कस्टोडियन भूमि के रूप में दर्ज किया गया था। इन जमीनों को कुछ माह पहले जिला प्रशासन ने अपने संरक्षण में लेना शुरू किया था, जिसे लेकर काफी विरोध हुआ था। अब इस जमीनों को सरकारी कार्यालयों के लिए आवंटित करने का भी विरोध किया जा रहा है। इन जमीनों पर काबिज किसानों का कहना है कि इन जमीनों पर आजादी से पूर्व और आजादी के बाद से सभी वर्गों के किसान खेती करते आ रहे हैं। यह जमीनें उनकी पुश्तैनी जमीन है, जिन पर वह 78 वर्षों से खेती कर रहे हैं। कई जमीनों पर भवन बन चुके हैं और घनी आबादी बस चुकी है। अब इन जमीनों को गलत तरीके से सरकारी घोषित करना किसानों के हितों पर कुठाराघात है। ऐसे में राजस्व मंत्री के निर्देशानुसार इस मामले की सकारात्मक रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि किसानों को न्याय मिल सके।

19 गांवों के सैकड़ों पीड़ित किसान जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत से मिलने पहुंचे।

- राजस्व मंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर को इस मामले की तथ्यात्मक व सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं

मांडल थाने से जेसीबी चोरी मामले पांच आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी, वारदात में प्रयुक्त कार और बाइक जब्त

- पुलिस अब जेसीबी चोरी की साजिश में शामिल निलंबित पुलिसकर्मियों सहित अन्य बजरी माफियाओं की तलाश कर रही है

भीलवाड़ा, (निसं)। बजरी माफिया और पुलिसकर्मियों की कथित मिलीभगत से मांडल थाने में जब्त की गई जेसीबी को अदला-बदली कर चोरी करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी को बरामद कर लिया गया, साथ ही वारदात में प्रयुक्त एक कार और बाइक भी जब्त की गई है।

इस पूरे मामले में मांडल थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी विक्रम सेवावत, एएसआई नंदलाल गुर्जर और दीवान राजेंद्र सिंह को जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव पहले ही निलंबित कर चुके हैं। निलंबन के बाद से तीनों पुलिसकर्मी भूमिगत हैं, जिससे पुलिस विभाग में गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और उच्चाधिकारियों की सख्ती के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

सीसीटीवी फुटेज में पुलिसकर्मी की मौजूदगी :- मामले में जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज सामने आए, जिसमें थाने में एएसआई नंदलाल गुर्जर की मौजूदगी में जेसीबी की अदला-बदली होती दिखी। बजरी में जब्त नई जेसीबी को बाहर निकालकर उसकी जगह पुरानी व खराब मशीन रखी गई थी, ताकि बजरी माफिया को फायदा पहुंचाया जा सके।

जांच और गिरफ्तारियां :- जिला पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक (सदर) प्रशिक्षु आईपीएस माधव उपाध्याय को सौंपी थी। गहन पड़ताल के बाद पुलिस ने पालड़ी निवासी ओमप्रकाश पुत्र छोगा भील, रणिकपुरा निवासी पूरण माली पुत्र नगजीराम, गोविंदपुरा निवासी सांवरा कीर पुत्र रतन कीर, जाटों का खेड़ा आरजिया निवासी पंकज जाट पुत्र सत्यनारायण जाट और इन्द्रपुरा (पालड़ी) निवासी सुनील पुत्र सम्पत गुर्जर को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी बरामद कर ली गई। वहीं एक कार व एक बाइक को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

धोखाधड़ी का मामला भी जुड़ा :- पुलिस जांच में सामने आया कि यह जेसीबी पूर्व में बिजौलियां थाने क्षेत्र में धोखाधड़ी के एक मामले में चिन्हित हैं। यह मशीन मुकेश गुर्जर के पास थी। अब यह जेसीबी उसके पास कैसे पहुंची, इसको लेकर पुलिस आगे की पूछताछ कर रही है।

अभी इनकी तलाश जारी :- पुलिस अब जेसीबी चोरी की इस साजिश में शामिल निलंबित पुलिसकर्मियों सहित अन्य बजरी माफियाओं की तलाश कर रही है। वहीं थाने से जब्तशुदा वाहन कैसे बिना उच्च स्तरीय जानकारी के बदले गए, इस पर भी पुलिसिया सिस्टम की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने कहा कि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं और मामले में आगे विस्तार से पूछताछ की जाएगी।

भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान को आमजन तक पहुंचाना हमारा दायित्व : भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर डूंगरपुर में प्रस्तावित राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष कर आजादी के आंदोलन को मजबूत आधार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच

■ **15 नवंबर (जनजातीय गौरव दिवस) मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि जनजाति गौरव और संघर्ष की अमर स्मृति है : भजनलाल शर्मा**

से देशभर में जनजातीय गौरव से जुड़े विविध आयोजन हो रहे हैं। 15 नवंबर (जनजातीय गौरव दिवस) मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि जनजाति गौरव और संघर्ष की अमर स्मृति है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को उदयपुर में शोभागपुरा स्थित एक होटल में बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर हो रहे आयोजनों को लेकर बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगामी 15 नवंबर को डूंगरपुर में प्रस्तावित राज्यस्तरीय समारोह की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाए और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। साथ ही, छात्र-छात्राओं को बिरसा मुण्डा के जीवन, संघर्ष और बलिदान के बारे में व्यापक जानकारी दी जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि जनजाति आवासीय विद्यालयों में मेस भत्ता तथा मां-बाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में की गई वृद्धि राज्य सरकार की संवेदनशील नीतियों का प्रतिबिंब है। हमारी सरकार ने जनजाति क्षेत्र के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए है। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि बिरसा मुण्डा कुछ और समय जीवित रहते तो अंग्रेजों को बहुत पहले ही देश छोड़ना पड़ता। स्वतंत्रता की लड़ाई में 170 से अधिक जनजाति नायकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को इन नायकों की गौरव गाथा से रूबरू कराने की आवश्यकता है। इसी क्रम में वर्ष 2021 से जनजाति गौरव दिवस मनाने की शुरूआत की गई तथा इस वर्ष जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने 15 नवंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने की अपील की। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र लोग सरकार की योजनाओं का लाभ लें और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं पहुँचाने और उनका उत्थान करने में सहयोग करें।

सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि बिरसा मुण्डा ऐसे जननायक है, जिन्हें आमजन ने भगवान का दर्जा दिया। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जिन नायकों को याद किया गया, उनमें एक भगवान बिरसा मुण्डा भी हैं। उन्होंने जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़े के तहत प्रदेशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों पर चर्चा की तथा राज्य स्तरीय समारोह को सफल बनाने के लिए की जा रही तैयारियों को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, जिला प्रमुख ममता कुंवर सहित उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ आदि जिलों के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उदयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

जंगलों से पेड़ उखाड़ने का प्रयास, चार जेसीबी जब्त

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के खरवा वन विभाग के जंगलों से बड़ी मात्रा में पेड़ उखाड़ने के प्रयासों को ग्रामीणों की सजगता से विफल कर दिया। पेड़ उखाडने के कार्य में लगी चार जेसीबी मशीनों को जब्त कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निकटवर्ती लीडी तथा लामाना के जंगलों में चार जेसीबी मशीन एक साथ पहुंची तथा जंगल में विलायती बबूल को उखाड़ने का काम शुरू कर दिया। ग्रामीणों को जेसीबी द्वारा पेड़ों को उखाड़ने का पता चला तो उन्होंने वन विभाग द्वारा विलायती बबूल उखाड़ने का कार्य ठेके पर देने की सोचा लेकिन जेसीबी संचालकों की कार्य प्रणाली पर संदेह होने पर उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। क्षेत्रीय वन अधिकारी ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे और उन्होंने जेसीबी संचालकों से पेड़ उखाड़ने की अनुमति के संबंध में पूछताछ की तो पता चला कि बिना अनुमति अवैध रूप से पेड़ उखड़े जा रहे थे। अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए चारों जेसीबी मशीन को अपने कब्जे में लेकर जप्त कर लिया तथा जेसीबी मशीनों को वन विभाग की खरवा नर्सरी में लाकर खड़ा करवा दिया। बाद में जेसीबी ऑपरेटरों द्वारा आधार कार्ड तथा आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने पर जमानत पर छोड़ दिया, जबकि मशीनों को जब्त करके मामले की जानकारी नसीराबाद कोर्ट में दे दी।

ओमप्रकाश, क्षेत्रीय वन अधिकारी का कहना है कि ग्रामीणों द्वारा जंगल में पेड़ उखाड़ने की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जानकारी ली तो पता चला कि बिना वैध अनुमति के अवैध रूप से पेड़ उखाड़े जा रहे है। कार्रवाई करते हुए चार जेसीबी मशीन जब्त कर ली गई।

सड़क हादसे में दो बारातियों की मौत, छह घायल, हिसार रेफर

हादसे में स्कॉर्पियो गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क हादसे में हुये घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया।

■ **बारातियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर चालक द्वारा पलटाने से हादसा हुआ, वाहन चालक प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की मांग की**

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाने के गांव राघा छोटी के पास गुरूवार व शुक्रवार की रात्रि को गांव कासनी से हमीरवास बारात में जा रहे बारातियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर चालक द्वारा पलटाने के कारण दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह जने घायल हो गये, जिन्हें पहले राजगढ़ के सरकारी अस्पताल व एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया।

स्कॉर्पियो गाड़ी के पलटने के सूचना पर एएसपी किशोरीलाल, राजेश कुमार सिहाग सीआई राजगढ़ व महेन्द्र कुमार हेड कास्टेबल मौके पर पहुंचे तथा घटना का जायजा लिया। वहीं शुक्रवार को मामला दर्ज होने के बाद प्रकरण का अनुसंधान अधिकारी रामावतार मीणा एसआई व महेन्द्र कुमार हैड कानि ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि सतवीर पुत्र रेखाराम जाट निवासी गागडवास पुलिस थाना राजगढ़ जिला चूरू ने मामला दर्ज करवाया है कि छह अक्टूबर को उसके परिवार के सदस्य कासनी से हमीरवास शादी में जा रहे थे, जो वाहन स्कॉर्पियो में सवार थे, जिसको प्रवीण पुत्र जयसिंह निवासी गागडवास चला रहा था। उक्त वाहन में चालक के अलावा कृष्ण पुत्र पृथ्वीसिंह जाट निवासी गागडवास, सोमवीर पुत्र रामकिशन जाट निवासी बिडोला (हरियाणा) तथा सुरेन्द्र पुत्र मस्तान सिंह, अनुराग पुत्र सुखलाल, सुमित पुत्र विनोद, रवि पुत्र दलवीर गाड़ी में सवार थे। आरोप है कि वाहन चालक प्रवीण ने उक्त वाहन को बहल से राजगढ़ सड़क मार्ग पर रात्रि नौ बजे राघा छोटी गांव में गऊशाला के पास तेजगति व लापरवाही से चलाकर पलटी मरवा दी, जिसमे सभी के चोटें आई, जिसमें कृष्ण पुत्र पृथ्वीसिंह जाट निवासी गागडवास व सोमवीर पुत्र रामकिशन जाट निवासी बिडोला (हरियाणा) की मौत हो गई तथा अन्य को हिसार के अस्पतालों में रैफर करने पर भर्ती करवा रखा है। वहीं रिपोर्ट में बताया है कि वाहन चालक प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की जावे। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा प्रकरण का अनुसंधान रामावतार उनि. के सुपर्द की गई है। शुक्रवार दोपहर को मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र भुवाणा की पहाड़ियों में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रजेश्वर कॉलोनी जोडाजी बावजी भुवाणा निवासी सन्नी पुत्र मुकेश नायक की अकाल मौत हो गई। सन्नी गत दिनों से कलडवास स्थित दूध की कंपनी में काम करता था एवं गुरूवार को वह घर आया था। जहां सांय मित्रों के साथ जाने एवं दो तीन घंटे में लौटने की बात परिजनों को कहते हुए घर से निकला था। रात में वह घर नहीं लौटा दूसरे दिन मकान के पिछे स्थित पहाड़ियों में वह मृत हालत में पड़ा मिला। जिसके शरीर पर नशे के दौरान गिरने से खरोच के निशान पाए गए हैं। सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण, एएसआई महिपालसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

स्कॉर्पिओ गाड़ी में आग लगी, बाल-बाल बची सात जिंदगियां

नवलगढ़, (निसं)। उपखंड के देलसर-कुमावास रोड पर शुक्रवार को एक स्कॉर्पिओ गाड़ी अचानक आग से भभक उठी, जिससे ना केवल गाड़ी, बल्कि गाड़ी में रखा करीब 12 लाख रूपए का सामान भी जलकर राख हो गया। इस आग की चपेट में आए एक युवक व दो बच्चों को इलाज के लिए दूसरी गाड़ियों से झुंझुनूं ले जाया गया।

जानकारी के मुताबिक डाबड़ी

■ **आग लगने से गाड़ी के दरवाजे हुए लॉक, विंडो से सभी के सभी बाहर निकले**

■ **गाड़ी में रखा करीब 12 लाख रूपए का सामान भी जलकर राख हो गया**

बलौदा निवासी नदीम की भांजी का निकाह शुक्रवार को भोड़की गांव में था, जिसमें भात भरने के लिए नदीम अपने दोस्त विजेंद्र की स्कॉर्पिओ गाड़ी सहित अन्य गाड़ियों के साथ डाबड़ी बलौदा से रवाना हुआ। देलसर से निकलने के बाद जब कुमावास पहुंचा तो अचानक गाड़ी के बोनट में एक चिंगारी उठी और पलक झपकते ही गाड़ी के पीछे आग लग गई। गाड़ी की पीछे की सीट पर नदीम का दोस्त अजय के अलावा नदीम की 12 साल की बेटी आलिया तथा 13 साल की बेटी आरजू बैठी थी, जो आग की चपेट में आ गए। हालांकि गाड़ी के शीशे खुले हुए थे। इसलिए आग लगने के साथ जैसे ही गाड़ी लॉक हुई। गाड़ी चला रहे नदीम और उसके भाई अनवर पहले खुद, बाद में सभी को एक-एक कर सभी को विंडो से बाहर निकाला। इतने ही मौके पर ग्रामीण जमा हो गए। जिन्होंने पानी से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले गाड़ी में रखी नगदी, जेवरात और अन्य सामान जलकर राख हो गया। नदीम की बेटी आलिया और आरजू के अलावा दोस्त अजय हल्के से झुलस गए। जिन्हें झुंझुनूं अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। गाड़ी में इनके अलावा नदीम के भाई अनवर की 15 साल की बेटी तमन्ना और दूसरे भाई सद्दाम का तीन साल का बेटा अदनान भी था, जो सकुशल है। आग लगने के वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं, जिनमें धूं-धूं कर जलती हुई स्कॉर्पिओ गाड़ी दिखाई दे रही है।

आग लगने से स्कॉर्पिओ गाड़ी धूं-धूं कर जल गई।

दुकान में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार : उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र जाड़ा गणेशजी चौक में स्थित दुकान से चोर नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जेठियों की बाड़ी निवासी ललित जैन पुत्र रूपलाल जैन की जाड़ा गणेशजी चौक में शुभम स्टूडियों नाम से दुकान है। शुक्रवार दोपहर में वह शटर आधा डालकर घर खाना खाने गया था। इस दौरान आए अज्ञात चोर खुला शटर देख दुकान में घुस कर कांउटर में रखी 70 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी एएसआई अशोक शर्मा ने आरोपी प्रहलाद पुत्र रामचन्द्र जाट तथा विशाल जायसवाल पुत्र जगदीश को गिरफ्तार किया। आरोपी नशा करने के आदी है।

स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल के गले से चेन तोड़ फरार हुए बदमाश

अजमेर, (निसं)। शहर में चेन स्नैचर के हौसले लगातार बढ़ते दिख रहे हैं। शुक्रवार को बदमाशों ने सरकारी स्कूल के अंदर घुसकर प्रिंसिपल की सोने की चेन ही झपट ली। यह वारदात दौराई स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुई। घटना के बाद स्कूल स्टाफ में डर और गुस्से का माहौल है। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

रामगंज थाना पुलिस के अनुसार धोलाभाटा निवासी पीड़िता नूतन लुहाड़िया सरकारी स्कूल दौराई में प्रिंसिपल हैं। स्कूल की चारदीवारी पर रंग-रोगन का काम चल रहा था। इसी

■ **पुलिस सीसीटीवी कैमरे के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी**

का निरीक्षण करने वह गेट के बाहर पहुंची थीं। तभी अचानक दो युवक हेलमेट पहनकर बाइक से स्कूल के गेट में सीधे अंदर घुस आए। दोनों युवकों ने पहले दुकान का पता पूछने का नाटक किया। प्रिंसिपल जैसे ही अंदर की तरफ बढ़ी, युवकों में से एक ने उनके गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन तोड़कर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। चेन करीब 15 ग्राम की बताई जा रही है।

वारदात के बाद स्टाफ और छात्र सहमे नजर आए। इस दौरान स्कूल के बाहर और आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों में ये दोनों युवक बाइक पर जाते हुए कैद हो गए। पुलिस फुटेज खंगाल रही है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि दोनों बदमाशों का हुलिया उन आरोपियों से मिलता जुलता है, जिन्होंने कुछ दिन पहले किशनगढ़ में भी चेन स्नैचिंग की वारदात की थी। रामगंज थाना पुलिस सीसीटीवी कैमरों, मोबाइल लोकेशन और संदिग्ध दोपहिया की जानकारी के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर तलाश शुरू कर दी है।

बस में महिला के जेवर चोरी

उदयपुर, (निसं)। बस में सवार महिला के जेवरात चोरी होने पर पीड़िता ने हाथीपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता सुशीलाल पत्नी गौरव शर्मा निवासी कविता बडगांव ने दर्ज प्रकरण में बताया कि 4 नवंबर शाम घर लाने के लिए मैं मावली से बस में बैठकर रवाना हुई। जहां से चेतक मोहता पार्क पर उतरी। इस दौरान देखा तो बैग से जेवरात गायब थे। सोने का हार, चूड़ियां, रखड़ी सहित करीब 8 तोला सोने के जेवर एवं चांदी का कंदोरा, अंगूठी, बिछियां गायब थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीज कारोबारी रवि गुप्ता पर फिरौती के लिए रेकी कर फायरिंग करने की प्लानिंग करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के लिए गैंगस्टर्स को पैसे उपलब्ध कराए थे। पकड़ा गया आरोपी

■ **गैंगस्टर्स को पैसे उपलब्ध कराता था बदमाश, बीज कारोबारी पर करने वाले थे फायरिंग**

25 हजार का इनामी बदमाश है। आरोपी की पहचान गुरविंद्र सिंह (21) निवासी रावला (श्रीगंगानगर) के रूप में हुई है। 19 जुलाई को कारोबारी पर फिरौती के लिए फायरिंग की प्लानिंग बनाने वाले आरोपियों को पैसे उपलब्ध करवाए थे। इससे पहले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार 19 जुलाई को सदर पुलिस और डीएसटी प्रथम ने आरोपियों को नेशनल हाइवे नाइयांवाली में आनंद पीजी में छिपे हुए को पकड़ा था। आरोपियों ने पीजी की तीसरी मंजिल के कमरों से सीढियों पर भागने की कोशिश की और गिर जाने से गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से टर्की निर्मित मॉडर्न जिगाना पिस्टल व 14 कारतूस बरामद किए थे। आरोपी बीज कारोबारी पर हमला करने वाले थे, इससे पहले ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया था।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में विषाक्त वस्तु सेवन कर युवक ने आत्महत्या कर ली। अदनोल नाथद्वारा हाल शोभागपुरा निवासी रणजीत सिंह (40) पुत्र उदयसिंह चौहान की विषाक्त वस्तु सेवन करने से होने से मौत हो गई। दिमागी हालत ठीक नहीं होने से विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया था।

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)
Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com
Sr. No. : NPC/2025/2262 Date : 03.11.2025
Notice Inviting Bid
Bids for "NALA CONSTRUCTION REPAIR WORK FORM BHANDE TO BUS STAND RINGUS ROAD NALA IN NAGAR PARISHAD CHOMU" are invited interested bidders upto 06.00 PM on 03.11.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The Bid Value are 49.99 Lacs.
NIB CODE : DLB2526A7667 & UBN NO. : DLB2526WSOB23199
Raj.Samwad/C/25/13325 COMMISSIONER

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI HQ TODABHIM
(email :- eecsnpkaroli@gmail.com)
Sr.No.: 5896-5904 Date: 30/10/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for Construction & Commissioning of 32 Nos. 125mm dia Hand Pump at Various Village under PHED Project Division Karauli HQ Todabhim is invited. Important Dates and particular of the Bid may be seen on the procurement portal sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in
NIBCODE:- PHE2526A3929

SN	NIT NO.	UBN NO
1	80/2025-26	PHE2526WSOB08051

DIPR/C/16163/2025
Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim

राजस्थान आवासन मण्डल
क्रमांक :- 552 दिनांक :- 05/11/2025
निविदा सूचना संख्या 06/2025-26
1. पंचशील, नाका मदार और दौराई अजमेर में नालियों, सीवर लाइन, चैंबर, मैनहोल, सड़क बर्म, खुले स्थान की सफाई और सभी घरों (डोर टू डोर कलेक्शन सहित) और सड़कों से कचरा/कचरा एकत्र करना। 2. अजमेर मंडल में दिशा और स्थान पहचान साइन बोर्ड की आपूर्ति और स्थापना हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 08.11.2025 से 17.11.2025 सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन / ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की अन्य शर्तें वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
यू.बी.एन. नं.:- RHB2526WSOB00261 & RHB2526WSOB00262
राज.संवाद/सी/25/13416 उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगर विकास न्यास, अलवर (राज.)
क्रमांक :- लेखा/2025/9562 दिनांक :- 31/10/2025
NOTICE INVITING NIT – 29/2025-26
Construction of C.C road and WBM, park development and other Development work etc. 05-11-25 to 17-11-25 3.00 PM. Technical bid open 18-11-25 4.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and www.uitalwar.in the approximate Value of the procurement is Rs. 649.00 lakhs.
UBN No. : UAL2526WSOB00318 To UAL2526WSOB00330
Raj.Samwad/C/25/13374 Executive Engineer UIT Alwar

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2025/7540 दिनांक :– 31.10.2025
:–ई–निविदा सूचना–2025–26:–
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 17.11.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB23154) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/25/13323

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
भू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001, Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com
ई-निविदा सूचना संख्या 24/2025-26
निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी कंसलटेंट फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Consultancy Services for- Preparation of Detailed Project Report for development works, beautification and develop public facilities at Meera Bai Mandir, Merta, Nagaur Rajasthan. UBN is: HPP2526SLOB00031	20.00 Lakh	3 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
राज.संवाद/सी/25/13354 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Rajasthan Water Grid Corporation Limited
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com
No. :- 5198 Date :- 31/10/2025
NIB No – RWGCL/ 41 /2025-26
Managing Director, RWGCL invites bid for the following works from interested bidders upto 29.10.2025 (06.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. UBN : ERP2526SLOB00049, 50, 51
1. Hiring of Consultancy Services for obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder from Khura Chainpura to Jaisamand Dam Alwar amounting Rs 15.65 Lacs.
2. Hiring of Consultancy Services for obtaining forest clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder from Isarda to Khura Chainpura to Bund Baretha dam Bharatpur amounting Rs 14.03 Lacs.
3. Hiring of Consultancy Services for obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder system from isarda dam to ramgarh Dam including all component amounting Rs 6.81 Lacs.
MD cum Chief Engineer
Raj.Samwad/C/25/13348 RWGCL, Jaipur Rajasthan

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/183 - 185 Date :- 30/10/2025
ई-निविदा सूचना संख्या : 52/2025-26
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 378.17 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 18.11.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WSOB00312 To ITU2526WSOB00321
अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण
राज.संवाद/सी/25/13254

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लि.
रजि. कार्यालयः डी-ब्लॉक, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर, फोन नः 0141-2228060-61, फैक्स नः 0141-2228065, ई-मेल : edf-rmsc-rj@nic.in, CIN: U24232RJ2011SGC035067, Website : rmsc.health.rajasthan.gov.in
क्रमांक :- एफ.3( )/आरएमएससी/भण्डार/पैकर्स/2025-26/1209 दिनांक :- 29/10/2025
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना 05/2025
जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पर्स सेवा कार्य हेतु ई-निविदा सूचना वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के 12 माह की अवधि के लिए
निगम द्वारा 12 माह हेतु जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पर्स सेवा कार्य की दर संविदा हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी सेवा प्रदात्ता संस्थाओं/फर्मो से ई–निविदाएँ निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	विवरण	अनु. राशि (₹ लाखों में)	बोली प्रतिभूति (bid security) (₹ लाखों में)	ई–निविदा शुल्क (₹)	RISL प्रोसेसिंग फीस (₹)	ई–निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारम्भ तिथि एवं समय	प्री–बिड मीटिंग की तिथि व समय	ई–निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र (तकनीकी बिड) खोलने की तिथि एवं समय
1.	जॉब आधारित पैकर्स/ हेल्पस सेवा कार्य	519.00	10.38	2360.00 (2000+18% GST)	2950.00 (2000+18% GST)	29.10.2025 05.00 PM बजे	03.11.2025 3.30 बजे	10.11.2025 06.00 PM बजे तक	11.11.2025 03.00 PM तक	11.11.2025 05.00 PM तक

ई–निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.rajasthan.gov.in एवं rmsc.health.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। ई–निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक्स फोरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्रस्तुत की जाएगी। (UBN No-MSC2526SLRC00043) ई–निविदा प्रपत्र शुल्क राशि Rs.2360-00 (2000+18%GST), RISL प्रोसेसिंग फीस राशि Rs. 2950.00 (2000+18%GST) व बोली प्रतिभूति राशि Rs. 10.38 लाख के अलग–अलग डी.डी./बी.सी. दिनांक 11.11.2025 समय दोपहर 3.00 बजे तक निगम कार्यालय में जमा करवाना आवश्यक है।
कार्यकारी निदेशक (वित्त), आरएमएससी
राज.संवाद/सी/25/13350

सार-समाचार

विशेष लोक अदालत का आयोजन आज

करौली, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश करौली माधवी दिनकर की अध्यक्षता में बैंक ऑफ बडौदा के ऋण खातों के लिए जिला मुख्यालय करौली व सपोटरा की शाखाओं हेतु जिला मुख्यालय करौली पर एवं हिण्डौन, श्रीमहावीरजी,नादौती व टोडाभीम की शाखाओं के ऋण खातों के लिए तालुका विधिक विधिक सेवा समिति हिण्डौनसिटी पर 8 नवंबर (द्वितीय शनिवार) को विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ममता चौधरी ने बताया कि लोक अदालत हेतु पक्षकारान को नोटिस जारी किये जा रहे है तथा इस विशेष लोक अदालत के आयोजन हेतु जिला मुख्यालय करौली व तालुका मुख्यालय हिण्डौनसिटी पर प्रो-बोनो बेचों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत बैंचों द्वारा पक्षकारान के मध्य समझौता वार्ता कर प्रकरणों का राजीनामा के आधार पर निस्तारण किया जावेगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि बैंक ऑफ बडौदा की 8 नवंबर को आयोजित होने वाली विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत में अपने प्रकरणों को रखवाकर उनका राजीनामा के माध्यम से निस्तारण करवाकर लोक अदालत का लाभ उठायें।

शिवराज पाल सिंह को मिलेगा सम्मान

करौली, (निसं)। करौली जिले के इनायती गांव निवासी राव शिवराज पाल सिंह को अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय संस्था बैंगलोर द्वारा साहित्य के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य एवं योगदान के लिए 8द्9 नवंबर को बंगलुरू में अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय साहित्य संरक्षण सम्मान 2025 से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान उनको दुर्लभ ग्रंथ विजय पाल रासो के संपादन एव प्रकाशन तथा पारंपरिक कहावतों पर किए गए कार्यों के साथ पांडुलिपि संरक्षण के क्षेत्र में किए गए महती कार्य के लिए भेंट किया जा रहा है। उन्होने बताया कि राव शिवराज हिंदी, अंग्रेजी, ब्रज एवं राजस्थानी में समान रूप से लिखते हैं उन की अब तक हिंदी काव्य संठाह, बाल कहानी संग्रह, करौली विरासत पर फोटो बुक के साथ अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो गई हैं और साहित्य यात्रा अनवरत जारी है। राव ने संस्था और उसके पदाधिकारियों के प्रति अपना धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सम्मान मेरा नहीं बल्कि हिंदी साहित्य जगत से जुडे सभी साहित्यकारों और करौली जिले वासियों का है। इस संदर्भ में उन्होंने वर्तमान करौली राजपरिवार प्रमुख कृष्णचंद्र पाल का भी आभार व्यक्त किया जिनकी वजह से खोया हुआ माना विजय पाल रासो प्रकाश में आया। विजय पाल रासो ग्रन्थ की भूमिका भी आचार्य रामचंद्र शुक्ल शोध संस्थान वाराणसी की प्रमुख और आचार्य रामचंद्र शुक्ल की प्रपौत्री ने लिखी है जिस से ग्रन्थ की उपादेयता और विश्वसनीयता कई गुना बढ़ गई है।

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

करौली, (निसं)। चिकित्सा सेवाओं की आमजन तक समयानुरुप पहुंच की जानकारी हेतु सीएमएचओ डॉ. जयंतीलाल मीणा ने सीएचसी सायपुर, परिता और कुडगांव का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने दवाओ की उपलब्धता, संस्था पर साफ सफाई,डिलीवरी और जांच स्थिति से रूबरू होकर योजना और कार्यक्रमों में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रभारियों को संस्था पर आवश्यक व्यवस्था बनाने, स्वास्थ्य कर्मियों को निर्धारित गणवेश और आईडी कार्ड में रहने, संस्था पर निर्धारित समय तक ठहराव करने के निर्देश प्रदान किये। इसी क्रम में डिप्टी सीएमएचओ हेल्थ डॉ. ओपी महावर द्वारा पीएचसी चैनपुर, महोली, गुणेसरा और उप स्वास्थ्य केंद्र बीजलपुर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

रामकुमार बैरवा सदस्य नियुक्त

करौली, (निसं)। अखिल भारतीय बैरवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रामकुमार बैरवा को राष्ट्रीय महासभा का सदस्य मनोनयन किया। अखिल भारतीय बैरवा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री रामनिवास जोनवाल ने बताया कि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष करौली जिले के सपोटरा पंचायत समिति के पूर्व प्रधान रामकुमार बैरवा को राष्ट्रीय सदस्य बनाया गया है जिनके राष्ट्रीय सदस्य बनने से संगठन को मजबूती मिलेगी इधर राष्ट्रीय सदस्य बनने पर लोगों ने राष्ट्रीय सदस्य रामकुमार बेरवा का माल साफा पहनकर और मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

राष्ट्रीय गीत की प्रेरणा पर किया चिंतन

भरतपुर, (निसं)। भारत का राष्ट्र गीत बन्दे मातरम बाँकीम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 150 वे दिवस पर स्थानीय भरतपुर के कांठोसी जनों विचार गोष्ठी अयोजीत कर बन्दे मातरम के गीत की विचार धारा और उदेश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा की यह राष्ट्रीय गीत देशभक्ति की प्रेरणा के साथ साथ भाईचारा के साथ साथ राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा देता हैं अत: हम सब को संकलपित रहना हैं विचारगोष्टी मेँ शहर अध्यक्ष दयाचंद पचौरी की अध्यक्षता में विचार गोष्टी आयोजित की गई। मीटिंग में साहब सिंह एडवोकेट, भगवान कटारा, गंगाराम पाराशर, राजीव सिंह कुम्हेर, प्रेम सिंह प्रजापत, प्रकाश मैथिल, योगेश सिंघल, संगठन महामंत्री डॉ. लोकपाल, पार्षद रघुवीर सिंह, किशन जायसवाल, बृजेश शर्मा, कॉमरेड सी बी पाराशर, कैलाश चंद शर्मा, पूनम शर्मा, दिनेश सोगरवाल आदि मौजूद रहे।

अवैध नल कनेक्शनो पर चलाया कटर

गंगापुर सिटी, (निसं)। जलदाय विभाग द्वारा चलाए गए दो दिवसीय विशेष अभियान के तहत चूली नाला क्षेत्र में राइजिंग लाइन पर अवैध जल संबंधों को हटाने की कार्रवाई की गई। विभागीय टीम ने मौके पर 16 अवैध जल कनेक्शन विच्छेद किए।

गुलाब का फूल देकर यातायात के नियमों के प्रति किया जागरूक

भरतपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जिले में 4 नवम्बर से 18 नवम्बर तक 15 दिवसीय सडक सुरक्षा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। प्रादेशिक परिवहन एवं सडक सुरक्षा विभाग एवं यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में सडक सुरक्षा एवं यातायात के नियमों की अनुपालना के संदर्भ में सडक उपयोगकर्ताओं की समझाईश का कार्यक्रम हीरादास सर्किल पर आयोजित किया गया। शनिवार 8 नवम्बर को प्राईवेट बस स्टैण्ड पर नेत्र जांच शिविर एवं पुलिस विभाग के साथ संयुक्त जांच अभियान चलाया जावेगा।

गुलाब का फूल देकर यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया।

प्रादेशिक परिवहन अधिकारी पीएल बामनिया ने बताया कि जिले में बढ़ रही सडक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं सडक उपयोगकर्ताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को परिवहन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, यातायात पुलिस के सहयोग से 15 दिवसीय सडक सुरक्षा अभियान के अंतर्गत भारी वाहन चालकों व चार पहिया वाहन चालकों के मध्य समझाइश अभियान चालाया गया। जिसके अंतर्गत वाहन चालकों को गुलाब का फूल देकर उन्हें यातायात नियमों संबंधित बुकलेट, पम्पलेट वितरित की गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से लुधावई टोल प्लाजा पर नेत्र जांच शिविर का आयोजन कर 56 वाहन चालकों की नेत्र जांच कर परामर्श दिया गया।

अतिरिक्त प्रादेशिक परिवहन अधिकारी इन्दू मीना ने बताया कि अभियान में विभाग द्वारा प्रवर्तन सम्बन्धी कार्यवाही भी चौकिंग के दौरान की जा रही हैं जिसमें गलत दिशा में वाहन संचालन, बिना हैलमेट वाहन संचालन, ओवरलोड वाहन संचालन, बिना सीटबैल्ट वाहन संचालन एवं शराब पीकर वाहन संचालन करने वाले वाहन चालकों के चालान कर लाईसेन्स निलम्बन की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील है कि स्वयं व परिवार की सुरक्षा के लिये नशे की हालात मे वाहन ना चलाएं, लगातार वाहन ना चलाएं, साथ ही वाहन चलाते समय सदैव सीट बैल्ट तथा हैलमेट का उपयोग करें। जिला परिवहन अधिकारी अभय मुदगल ने बताया कि अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिये प्रतिदिन कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है जिसमें प्रवर्तन कार्यवाही के साथ -साथ अपराधकारित करने वाले वाहन चालकों के लाईसेन्स निलम्बन की कार्यवाही, समझाईश कार्यक्रम, वाहन चालकों की नेत्र जांच एवं शैक्षिणक संस्थानों में जनजागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जावेगा। कार्यक्रम में य्देवेन्द्र सुण्डा, नीतू शर्मा, परिवहन निरीक्षक मनीष शर्मा सहायक प्रोग्रामर, सूचना सहायक कामिनी सिंह, भावना तोमर एवं कामिनी झा मौजूद रहे।

शहीदों को किया नमन

भरतपुर, (निसं)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को स्थानीय लोहागढ़ स्टेडियम में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया।

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय चेतना, मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्वाभिमान का प्रतीक है। इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया और आज भी देशभक्ति की भावना को प्रबल करता है। उन्होंने कहा कि आज का यह अवसर हमें अपने कर्तव्यों, राष्ट्रीय एकता और स्वदेशी संकल्प को पुन: याद करने का अवसर देता है।इस दौरान संभागीय आयुक्त डॉ टीना सोनी, जिला कलक्टर कमर चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनन्द, डॉ.जितेन्द्र मीना, जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा ने भी शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बीमा कंपनी पर एक लाख रुपए का जुर्माना

■ साढ़े 9 वर्ष से अटका था बीमा क्लेम

करौली, (निसं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने साढ़े 9 वर्ष पुराने वाहन बीमा क्लेम के एक मामले में बीमा कंपनी की शिथिलता और सेवा दोष को लेकर सख्ती दिखाते हुए भारी जुर्माना लगाया है। आयोग ने बीमा कंपनी को बीमा क्लेम के 2 लाख 11 हजार रुपए तथा जुर्माने की एक लाख रुपए की राशि पर परिवाद तिथि से 9 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

हिण्डौन शहर में मण्डावरा फाटक निवासी रविकांत ने 24 मई 2016 को उपभोक्ता आयोग के समक्ष परिवाद पेश किया था कि 28 मार्च 15 को उसका वाहन पाटौली गांव के पास दुर्घटनाठास्त हो गया था। वाहन का बीमा होने के कारण उसने सम्बन्धित बीमा कंपनी के समक्ष वाहन की कराई गई मरम्मत की राशि के बिल पेश किए लेकिन कंपनी ने मात्र 29 हजार 300 रुपए की राशि का भुगतान स्वीकृत किया। इस राशि को पीड़ित रविकांत ने अस्वीकार करते हुए लौटा दिया। बीमा कंपनी की ओर से नुकसान के बाद कराई गई मरम्मत की राशि प्रदान नहीं करने पर रविकांत ने अपने वकील रमाकांत शर्मा के जरिए से आयोग के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया था। मामले की सुनवाई के दौरान बीमा कंपनी की ओर से बताया गया कि बीमा की शर्तों के अनुसार क्लेम की राशि स्वीकृत की गई है। पत्रावली में मौजूद साक्ष्य-सबूतों का विश्लेषण करने के बाद आयोग के अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह तथा सदस्य सुरेन्द्र चतुर्वेदी ने बीमा कंपनी का सेवा दोष मानते हुए शुक्रवार को निर्णय सुनाया। आयोग ने निर्णय में कहा कि बीमा कंपनी ने यह स्पष्ट ही नहीं किया कि बीमा क्लेम की राशि की कटौती किन कारणों से की गई। कंपनी ने न तो शर्तो से अवगत कराया न कटौती का चार्ट ही आयोग के समक्ष पेश किया। शर्तो के बारे में लिखित दस्तावेज पेश किए जाने चाहिए थे।

केवल कहने मात्र से शर्तों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। बीमा कंपनी के वकील ने तर्क भी पेश नहीं किए। इस पर आयोग ने इसे बीमा कंपनी की शिथिलता और सेवा दोष मानते हुए बीमा क्लेम की 2 लाख 11 हजार रुपए, मानसिक संताप पर राहत बतौर एक लाख रुपए, परिवाद व्यय के 7 हजार रुपए की राशि का एक माह में परिवाद पेश करने की तिथि (24 मई 2016) से 9 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

तहसीलदार के वेतन से वसूली जाने वाली राशि कुर्क करने के आदेश

करौला, (निंसं.) जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के निर्णय आदेश की पालना में सम्बन्धित से वसूली करने में लापरवाही बरतने पर आयोग ने सख्ती दिखाई है। आयोग ने हिण्डौन के दो प्रकरणों में करौली जिला कलक्टर को हिण्डौन तहसीलदार के वेतन से वसूली जाने वाली राशि की कुर्क करने के आदेश दिए हैं।

उन्होने बताया कि दोनों मामलों में जिला उपभोक्ता आयोग ने ढाई वर्ष पहले कलक्टर को आदेशित किया था, जिस पर कलक्टर ने हिण्डौन तहसीलदार को वसूली करने का जिम्मेदार अधिकारी मानते हुए आदेश के अनुसार राशि वसूली करके आयोग को रिपोर्ट भेजने के आदेश दिए थे। लेकिन ढाई वर्ष में भी वसूली के प्रति शिथिलता दर्शाने पर आयोग अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह तथा सुरेन्द्र चतुर्वेदी ने तहसीलदार के वेतन से वसूली करने के आदेश कलक्टर को दिए हैं। आयोग ने 20 अगस्त 14 को जगनपुरा निवासी एक किसान बृजेन्द्र सिंह गुर्जर के पक्ष में निर्णय करते हुए हिण्डौन क्रय बिक्रय सहकारी समिति को 75 हजार रुपए का 9 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करने के आदेश दिए थे। इसी प्रकार दूसरे मामले में आयोग ने 10 दिसम्बर 14 को हिण्डौन के समीप खेडा में संचालित एक निजी प्रशिक्षण संस्थान के खिलाफ निर्णय पारित किया था। इस निर्णय आदेश के मुताबिक संस्थान को फुलबाडा हिण्डौन में भीमनगर निवासी कैलाश सिंह को 9 हजार 357 रुपए का 23 जुलाई 12 से 9 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करना है। दोनों मामलों में सम्बन्धित ने निर्णय आदेशों की पालना नहीं की तो पीड़ितों ने अलग-अलग परिवाद उपभोक्ता आयोग के समक्ष पेश किए।

बाइक सवार की मौत, दो घायल

गंगापुर सिटी, (निसं)। उदेई मोड़-सालोदा रोड पर शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार प्रशांत जागीर (20) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके भाई राहुल और साथी संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में राहुल को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। संतोष का गंगापुर सिटी के रिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, कैला देवी कॉलोनी निवासी प्रशांत जागीर (20) पुत्र रामावतार जागीर अपने भाई राहुल और साथी संतोष के साथ बाइक से काम पर जा रहा था।

स्काउट गाइड सेवा का पर्याय : जिला कलक्टर

करौली, (निसं)। भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा स्काउट गाइड स्थापना दिवस पर जारी किए गए स्टीकर का विमोचन जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिड़वाल ने किया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने करौली जिले के सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं संस्था प्रधानों को स्टीकर विक्रय में पूर्ण सहयोग करने हेतु कहा जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने कहा कि वह स्वयं भी स्काउट रह चुके हैं और उन्होंने स्काउट जीवन का आनंद प्राप्त किया है उन्होंने भी स्काउट के सोपान को पास किया है उन्होंने स्काउट गाइड से अधिक से अधिक सेवा कार्य करने की एवं पढ़ाई में भी अब्बल आने की अपील की अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिड वाल ने कहां की भारत स्काउट गाइड संगठन करौली जिले में बहुत अच्छे कार्य कर रहा है इनके स्टीकर विक्रय में पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

सीओ स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि भारत स्काउट एवं गाइड के 75 वें स्थापना दिवस पर भारत स्काउट ब गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा आपदा राहत के लिए आरक्षित कोष में राशि जमा हेतु प्रतिवर्ष स्काउट गाइड स्टिकर का विमोचन महामहिम राष्ट्रपति के द्वारा करवाया जाता है एवं राज्य मुख्यालय पर स्टिकर का विमोचन राज्यपाल द्वारा किया गया एवं स्काउट गाइड स्थापना दिवस पर प्रदेश के समस्त जिलों में जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा स्टिकर का विमोचन किया जाता है सीओ स्काउट अनिल कुमार गुप्ता के अनुसार इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिड़वाल ने कहा कि भारत स्काउट गाइड संगठन सेवा का पर्याय है एवं बालक बालिकाओं में सेवा की भावना के विकास के लिए भारत स्काउट गाइड संगठन 75 वर्षों से कार्य कर रहा है यह संगठन बालक बालिकाओं में संस्कार निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने स्वयं भी स्टीकर क्रय कर अंशदान प्रदान किया इस अवसर पर जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने सभी स्काउट, गाइड, स्काउटर, गाइडर एवं स्काउट गाइड पदाधिकारियो को स्काउट गाइड के 75 वें स्थापना दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं कहा की स्काउट गाइड सेवा का पर्याय है।

उन्हें पीड़ित मानव एवं प्राकृतिक आपदा के समय बढ़कर सेवाएं प्रदान करनी चाहिए इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने स्वयं भी स्टीकर क्रय कर अंशदान दिया। इस अवसर पर सहायक कमिश्नर ओम प्रकाश शर्मा ने जिला कलेक्टर को संगठन का स्कार्फ पहना कर स्वागत किया स्टीकर विमोचन के अवसर पर सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत स्काउर्ट राज्य पुरस्कार रोवर लव कुश मंगल, श्यामू , सोमराज प्रजापत रेंजर कीर्ति सोनी गौरव माली स्काउट हर्ष गोस्वामी गौरव सोनी एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय करौली 31वां स्वतंत्र रोवर स्काउट ग्रुप करौली के रोवर रेंजर उपस्थित थे।

'हॉकी खेल नहीं बल्कि विरासत, अनुशासन व एकता का प्रतीक है'

हिण्डौन सिटी/सूरौठ, (निसं)। भारतीय हॉकी के गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में आयोजित हॉकी शताब्दी समारोह के तहत शुक्रवार को सूरौठ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मेज़र ध्यान चंद स्टेडियम में हांकी खेल के भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया देश के 78 सौ खेल मैदानों पर एक साथ आयोजित इस राष्ट्रीय समारोह में सूरौठ का खेल मैदान भी उत्साह और उमंग से भर उठा

सूरौठ कस्बे में भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी समारोह मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर अरूण कुमार सारस्वत अध्यक्ष हांकी राजस्थान एवं हॉकी इंडिया के एग्जीक्यूटिव मेंबर समारोह के मुख्य अतिथि रहे, जिन्होंने कहा कि हॉकी भारत की आत्मा है – यह केवल एक खेल नहीं बल्कि हमारी विरासत, अनुशासन और एकता का प्रतीक है। उन्होंने खिलाड़ियों से भारतीय हॉकी की गौरवगाथा को आगे बढ़ाने का आव्हान किया कार्यक्रम की अध्यक्षता सीबीओ दयाल सिंह सोलंकी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में करौली नगरपालिका के पूर्व पार्षद ललित हरदैनिया, समाजसेवी बबलू शुक्ला, सेवानिवृत्त खेल अधिकारी (शारीरिक शिक्षा) मुरारी लाल शाक्यवाल, विपिन शर्मा , पूर्व जिलाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा राजेश सहारिया, देवीसहाय शर्मा,शूटिंग बॉल संघ के जिला सचिव विश्राम मीना, समाजसेवी अमरसिंह मीना, पीईईओ इंचार्ज विजय सिंह मीना भूपेंद्र धुरसी, तथा अग्रवाल समाज सूरौठ युवा उपाध्यक्ष गौरव सिंघल उपस्थित रहे।कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक वीरेंद्र सिंह राजपूत एवं भूपाल सिंह मीना ने उत्कृष्ट ढंग से किया। समारोह में पहुंचने पर सभी अतिथियों का माला व साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद अतिथियों ने मैदान पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट, खेल झंडा रोहण एवं देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनसे कार्यक्रम में देशप्रेम और खेल भावना का उत्साह और अधिक बढ़ गया। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, ठाामीणजन, शिक्षक एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे, आज के खेल कार्यक्रम के संयोजक वीरेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि मेजर ध्यानचंद स्टेडियम सूरौठ में छात्र एवं छात्राओं की टीमों के बीच मैत्री मैच आयोजित किये गये ,मैचों में वीरेंद्र सिंह राजपूत एवं भूपालसिह मीना ने निर्णायक की भूमिका निभाई विजेता व उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को अतिथि गणों द्वारा सम्मानित किया।

सार-समाचार

मतदान केन्द्रों का किया अवलोकन

भरतपुर, (निसं)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र भरतपुर एवं वैर में निरीक्षण अधिकारियों द्वारा विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। विधानसभा क्षेत्र भरतपुर में सुपरवाइजरी अधिकारी एवं सहायक निदेशक, लोक सेवाएं भारती भारद्वाज तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं उप पंजीयक अलका श्रीवास्तव ने सुभाष नगर एवं गणेश नगर मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए बूथ लेवल अधिकारियों को गणना प्रपत्रों के वितरण में तेजी लाने एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, विधानसभा क्षेत्र वैर में सुपरवाइजरी अधिकारी एवं भू-प्रबन्ध अधिकारी भरतपुर सुनील आर्य ने ठााम छोंकरवाड़ा एवं भुसावर के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान बीएलओ अनिल कुमार द्वारा अब तक 42 घरों का विजिट कर 195 गणना प्रपत्र वितरित एवं 70 प्रपत्र एकत्रित किए जाने की जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान 84.45 प्रतिशत मतदाताओं का मैपिंग कार्य पूर्ण पाया गया। सुपरवाइजरी अधिकारी ने मतदाताओं से एक पासपोर्ट साइज फोटो उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया तथा बीएलओ को शेष 25 से 30 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में भुसावर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम राधेश्याम मीना ने मतदान केन्द्र संख्या 93 हींगोटा एवं 157 बाछरैन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हैल्प डेस्क का संचालन सुचारू पाया गया तथा कार्मिकों से गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली गई। मतदाताओं को गणना प्रपत्र संठाहण के समय एक फोटो एवं आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों द्वारा 2-3 व्यक्तियों को स्वंय गणना प्रपत्र वितरित कर वितरण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं नायब तहसीलदार भुसावर अरुण कुमार ने मतदान केन्द्र संख्या 175 का, तहसीलदार भुसावर अभयराज ने मतदान केन्द्र संख्या 173 का तथा तहसीलदार वैर एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी वैर ने मतदान केन्द्र संख्या 125 महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, नवीन वैर (भरतपुर गेट के पास) का निरीक्षण किया।

योजनाओं की प्रगति पर की चर्चा

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में पीएम सूर्य घर योजना सहित विद्युत विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर पीएम सूर्य घर सौर मेला आयोजित किए जाएं, ताकि अधिकाधिक आमजन तक योजना की सटीक जानकारी पहुँचे और पात्र उपभोक्ता इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि इन मेलों का कैलेंडर तैयार कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, साथ ही योजना क्रियान्वयन एजेंसियों व स्थानीय बैंकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। कलक्टर ने 150 यूनिट निशुल्क बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने सौर पैनल लगाने की सहमति दी है, उनके घरों पर नवंबर माह के अंत तक सोलर पैनल लगाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आने वाले सप्ताह में लगभग 36 हजार से अधिक पात्र उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देकर सहमति प्राप्त करने का लक्ष्य प्रदान किया। बैठक में चौथ का बरवाड़ा को आदर्श सौर ऊर्जा ठााम के रूप में चयनित होने पर जिला कलक्टर ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए आदर्श सौर गांव के रूप में विकसित करने के लिए कार्य प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। साथ ही नए कृषि कनेक्शनों के जारी करने हेतु लक्ष्यों का निर्धारण कर धरातल पर कार्य की प्रगति सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग बीएल मीना, अधिशाषी अभियंता अशोक बुजेटिया सहित विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

विद्यार्थिया में दिखा राष्ट्रभक्ति का ज्वार

गंगापुर सिटी, (निसं)। राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को नोडल केंद्र गंगापुर के सभी विद्यालयों में सामूहिक राष्ट्रगीत गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, गंगापुर सिटी में मुख्य कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें लगभग तीन हजार छात्र-छात्राओं ने एक साथ वंदेमातरम् का गायन किया। स्कूल के प्रिंसिपल राजकुमार उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रगीत वंदेमातरम् की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी और इसे पहली बार 7 नवंबर 1875 को गाया गया था। इस ऐतिहासिक अवसर पर स्कूल में भारत माता के चित्र पर तिलक लगाकर और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों, वार्ड पार्षदों और स्कूल विकास समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से वंदेमातरम् गीत गाया। छात्र गीतांश, छात्राएं ज्योति और कोमल सहित अन्य विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। सहायक प्रशासनिक अधिकारी अरविंद खंडेलवाल और कर्णफूल मीना ने भी देशभक्ति गीतों से वातावरण को देशप्रेम से भर दिया।

प्रतियोगिता का समापन

करौली, (निसं)। मेरा युवा भारत करौली द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा खेलो इंडिया के सहयोग से ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री रा.उ. मा.विद्यालय सपोटरा में किया गया। प्रतियोगिता में ब्लॉक सपोटरा एवं मंडरायल के युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में कबड्डी (पुरुष वर्ग),रस्साकशी (महिला वर्ग), बैडमिंटन (महिला एवं पुरुष वर्ग),400 मीटर दौड़ (महिला एवं पुरुष वर्ग) रहे रस्साकसी महिला वर्ग में विजेता युवा मंडल सपोटरा एवं उपविजेता युवा मंडल गोठरा की टीम रही।

पश्चिम मध्य रेल

No. C-45/3/0/3
Dated - 03.11.2025

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक – कोटा मण्डल, पश्चिम मध्य रेल्वे द्वारा कोटा मण्डल के हिंडोन सिटी, रामगंज मंडी, बूंदी, भवानी मंडी, न्यू कोटा, बयाना जं, शामगढ़, श्री महावीर जी, बारा, विक्रमगढ़ आलोट, इन्दरगढ सुमेरगंज मंडी, छबड़ा गुगोर, चौमहला एवं लाखेरी रेल्वे स्टेशनों के लिए 35 वाटर वेंडिंग मशीनों और गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय का प्रबंधन के लिए ई-बोली आमंत्रित की हैं। केटलॉग को www.ireps.gov.in (e-Auction) पर प्रकाशित किया गया हैं। विवरण निम्न हैं :- **केटलॉग संख्या:** KOTACATERING10, **अनुबंध का प्रकार:** Misc-Static-Services, **ई-नीलामी की तिथि और समय:** 17.11.2025 और 15:00 बजे, **केटलॉग की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट** www.ireps.gov.in (e-Auction) पर उपलब्ध हैं।

हस्ता.
कृते वरि.मण्डल वाणिज्य प्रबंधक,
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल

सिविल इन्जीनियरिंग संख्या-डब्ल्यू/623/15 दिनांक: 06.11.2025

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय, पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई निविदा आमत्रित करते है। **टेंडर संख्यों** : 207/2025 आर, **कार्य का विवरण** : 1. कोटा रिबिलडिंग टू डेमेज आरसीसी स्लेव एण्ड बीम ऑफ इंजीनियरिंग ड्रॉइग सेल एण्ड मिसलेनियस रिपेर्पस वर्क एट डीआरएम ऑफिस सेकण्ड़ फ्लोर कोटा. 2. इम्प्रूवमेंट ऑफ आरपीएफ केम्प ऑफिस नियर डीपीसी ऑफिस, **अनुमानित लागत** : 6270422.14, **बयाना राशि** : 125400.00, **टेंडर भरने की अन्तिम तिथि एवं समय** : 21.11.2025 को 15.30 घंटे पर, **टेंडर संख्यों** : 208/2025, **कार्य का विवरण** : कोटा-गंगापुर सेक्शन : बैंक प्रोटेक्शन इन बोथ साइड एप्रोचेज ऑफ ब्रिज न. 250 बिटविन लवान- लाखेरी स्टेशनस अण्डर दि जूरिस्डिक्शन ऑफ एडीईएन सवाई माधोपुर, **अनुमानित लागत** : 35372801.74, **बयाना राशि** : 326900.00, **टेंडर भरने की अन्तिम तिथि एवं समय** : 21.11.2025 को 15.30 घंटे पर, **टेंडर संख्यों** : 210/2025, **कार्य का विवरण** : कन्सट्रक्शन ऑफ रूफ शेड़ ऑन स्टील स्टेकिंग यार्ड एण्ड कन्सट्रक्शन ऑफ सीसी प्लेटफॉर्म फोर मेटेरियल स्टोरेज इन कनेक्शन विद दि इम्प्रूवमेंट इन दि इन्फ्रास्टेक्चर ऑफ स्टोर डिपो डब्ल्यूआरएस/कोटा, **अनुमानित लागत** : 75225388.68, **बयाना राशि** : 526100.00, **टेंडर भरने की अन्तिम तिथि एवं समय** : 21.11.2025 को 15.30 घंटे पर, **टेंडर संख्यों** : 211/2025, **कार्य का विवरण** : डबलपमेंट ऑफ इन्फास्टेक्चर एट सुंदलक गुड्स शेड़, कोटा डिविजन सुंदलक, **अनुमानित लागत** : 35272016.84, **बयाना राशि** : 326400.00, **टेंडर भरने की अन्तिम तिथि एवं समय** : 24.11.2025 को 15.30 घंटे पर, **टेंडर संख्यों** : 212/2025 आर, **कार्य का विवरण** : बयाना-डुमरिया-पिलोदा सेक्शन -विलिंनिग ऑफ मेनहोल, इन्सपेक्शन चेम्बर, डग वेंल, सेप्टिक टेंक, एण्ड सिवेज लाइन ऑफ रेलवे कॉलोनी फॉर टू ईयरस, **अनुमानित लागत** : 676896.45, **बयाना राशि** : 13500.00, **टेंडर भरने की अन्तिम तिथि एवं समय** : 24.11.2025 को 15.30 घंटे पर, **टेंडर संख्यों** : 214/2025, **कार्य का विवरण** : इंदरगढ़, डिपो-सप्लाई ऑफ 50000 क्युबिक मीटर 65 एम.एम. साइज मशीन क्रस्ड स्टोन बैलास्ट ऑफ अप्रूव्ड क्वालिटी एण्ड लोड़िग इनट होपरस/ वैंगन एट, **अनुमानित लागत** : 45926353.05, **बयाना राशि** : 379600.00, **टेंडर भरने की अन्तिम तिथि एवं समय** : 01.12.2025 को 15.30 घंटे पर, पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई ई निविदा में तथा वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय की कार्यलेखा शाखा के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

हस्ता.
वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय, पश्चिम मध्य रेल, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मैट इस टीम का एक अहम सदस्य और हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण का सबसे अनुभवी अगुआ है, इसलिए वनडे और टेस्ट मैचों के लिए उनका टीम में वापस आना बहुत अच्छा होगा। - रॉब वाल्टर

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच, मैट हेनरी की वापसी को लेकर बोलेते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जहानारा आलम

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज जहानारा आलम द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए एक कमेटी गठित करने का फ़ैसला किया है। जहानारा ने यह आरोप लगाया है कि 2022 वनडे विश्व कप के दौरान एक पूर्व चयनकर्ता का बर्ताव उनके साथ ठीक नहीं था। बोर्ड ने समिति को यह स्पष्ट आदेश दिया है कि वह 15 कार्यदिवसों के अंदर अपनी पूरी जांच रिपोर्ट और सुझाव सौंप दे। बीसीबी ने कहा है कि जांच कमिटी के रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, ''बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड मीडिया में आई रिपोर्ट्स को लेकर चिंतित है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहला टेस्ट क्रिकेट मैच 31 अक्तूबर 1976 को बैंगलोर में वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था जबकि पहला एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय 1 जनवरी 1978 को कलकत्ता में।

आईसीसी बैठक में पहुंचे पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन

दुबई, 7 नवंबर। सभी तरह की अटकलों को विराम देते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आज हो रही बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे। एशिया कप में विजेता भारतीय टीम को ट्रॉफी नहीं सौंपने के मुद्दे के बीच आज मोहसिन नकवी दुबई में स्थित आईसीसी के मुख्यालय पहुंचे। नकवी हाल ही में आईसीसी बैठक से दूर रहे हैं, जिसमें जुलाई में सिंगापुर में हुई सालाना कॉन्फ्रेंस भी शामिल है। इसलिए इस बार भी उनके आने को लेकर संदेह था। पीसीबी के प्रमुख पर हाल ही में भारत द्वारा जीती गई एशिया कप ट्रॉफी अपने पास रखने का आरोप है। वह आज अपराह्न आखिरी मिनट में आईसीसी की बैठक में पहुंचे। ऐसा माना जा रहा है कि बैठक में अनसुलझे मुद्दे पर चर्चा चल रही थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जब तक यह ट्रॉफी भारतीय टीम को नहीं दी जाती, तब तक वह चुप नहीं बैठेगा। आज शाम इसको लेकर गंभीर चर्चा होने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी मुकेश चौधरी, जहान्वी मेहरा व नीतिका बंसल का हुआ सम्मान

जयपुर, 7 नवम्बर। राष्ट्रगीत वन्देमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान सरकार की ओर से आज दिनांक 07 नवम्बर 2025 को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम मे वुशू खिलाडियों को सम्मानित किया गया। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि माननीय श्रीमान भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार व माननीय श्रीमान राज्यवर्धन सिंह राठोड खेलमंत्री, राजस्थान सरकार ने वुशू के अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी मुकेश चौधरी को वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक, जहान्वी मेहरा को एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक व नितिका बंसल को एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत कर तिरंगे व देश का नाम रोशन करने पर सम्मानित किया गया।

ब्रिस्बेन में सीरीज कब्जाने उतरेगा भारत

ब्रिस्बेन, 7 नवंबर। शनिवार को गाबा में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का आखिरी मैच धमाकेदार होने वाला है, जहां भारत 2-1 की मामूली बढ़त के साथ उतरेगा। दांव आसमान छू रहे हैं, और जहां ऑस्ट्रेलिया सीरीज बराबर करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगा, वहीं भारत आत्मविश्वास के साथ इस निर्णायक मैच में सीरीज कब्जाने उतरेगा।

ऑस्ट्रेलिया के सामने एक कठिन चुनौती है। ट्रैविस हेड और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में उनकी आक्रामक क्षमता कमज़ोर पड़ गई है। मिशेल मार्श को मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर भारत के खिलाफ आक्रमण की कमान संभालनी होगी।

गेंदबाज़ी में, नाथन एलिस और एडम जम्पा पर भारत की मजबूत लाइनअप को ध्वस्त करने की ज़िम्मेदारी होगी। गाबा में यह एक जानी-पहचानी कहानी है - घरेलू मैदान का फ़ायदा मायने रखता है, लेकिन भारत इस दौरे में किसी भी तरह का समझौता नहीं कर रहा है। इस बीच, भारत लय में है। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है, जबकि शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव क्रीज पर संयम बनाए हुए हैं। वाशिंगटन सुंदर और जितेश शर्मा जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज जरूरत पड़ने पर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह अगुआ बने हुए हैं और किसी भी साझेदारी को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

इतिहास बताता है कि गाबा लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के पक्ष में है। पिछले पांच घरेलू टी20 मुकाबलों में सभी मैच बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम के नाम रहे हैं, और 180-190 के प्रतिस्पर्धी स्कोर के साथ, टॉस निर्णायक हो सकता है - खासकर जब बादल छाए हों और गरज के साथ बारिश हो सकती हो। उम्मीद है कि कप्तान नई गेंद का इस्तेमाल करेंगे।

अगर भारत पावरप्ले में अपनी क्षमता साबित कर सके और ऑस्ट्रेलियाई टीम को बैकफुट पर रख सके, तो उसके पास सीरीज़ 3-1 से अपने नाम करने का अच्छा मौका है। ऑस्ट्रेलिया को मैच में बने रहने के लिए शुरुआती सफलताओं और मार्श तथा डेविड के दमदार योगदान की जरूरत होगी।

दोनों टीमें जीत की भूखी हैं, ऐसे में प्रशंसक ब्रिस्बेन की रोशनी में एक रोमांचक टी20 मैच की उम्मीद कर सकते हैं। निर्णायक मैच एक साझेदारी, तेज गेंदबाजी या बाउंड्री की झड़ी पर निर्भर हो सकता है - और यही गाबा में क्रिकेट को इतना रोमांचक बनाता है।

टीमें - ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श, मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंगलिस, टिम डेविड, जोश फिलिप, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वार्शुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, एडम जम्पा, मिशेल ओवेन, मैथ्यू कुहनेमन, तनवीर संघा, महली बियर्डमैन।

भारत: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा।

प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों ने दिलाई भारत-ए को बढ़त

बेंगलुरु, 7 नवंबर। प्रसिद्ध कृष्णा (तीन विकेट), मोहम्मद सिराज और आकाश दीप (दो-दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के दम पर भारत ए ने शुक्रवार को दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 221 के स्कोर पर समेटने के बाद स्टंप्स के समय पहली पारी में तीन विकेट पर 78 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 112 रनों की हो गई है। भारत ए के पहली पारी में 255 रन के स्कोर के जवाब में आज सुबह दक्षिण अफ्रीका ए बल्लेबाजी की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ ओवर में 12 रन पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। लेसेगो सेनोक्वाने (शून्य) और टेम्बा बावुमा (शून्य) को आकाश दीप ने, ज़ुबैर हम्ज़ा (आठ) को सिराज ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान मार्केस ऐकरमैन ने जॉर्डन हरमन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने जॉर्डन हरमन (26) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मार्केस ऐकरमैन को छोड़कर कोई भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सका। इस दौरान मार्केस ऐकरमैन ने अपना शतक पूरा किया। प्रीनेलान सुब्रायेन (20) रनआउट हुये। 48वें ओवर की तीसरी गेंद पर हर्ष दुबे ने मार्केस ऐकरमैन को आउट कर 221 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ भारत ए को 34 रनों की बढ़त मिल गई। मार्केस ऐकरमैन ने 118 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्के लगाते हुए 134 रन बनाये। भारत ए के लिए प्रसिद्ध कृष्ण ने तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप को दो-दो विकेट मिले। कुलदीप यादव और हर्ष दुबे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में अभिमन्यु ईश्वरन (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें ओकुह्ले सेले ने पगबाधा आउट किया। भारत का दूसरा विकेट साई सुदर्शन (23) के रूप में गिरा। उन्हें टियान वैन वुरेन ने पगबाधा आउट किया। 23वें ओवर में ओकुह्ले सेले ने देवदत्त पड़िक्कल (24) को आउटकर भारत ए को तीसरा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ए ने तीन विकेट पर 78 रन बना लिये है और उसकी कुल बोत 112 रनों की हो गई है। केएल राहुल (नाबाद 26) और कुलदीप यादव बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओकुह्ले सेले ने दो विकेट लिये। टियान वैन वुरेन को एक विकेट मिला।

भारत ने हांगकांग सिक्सर्स में पाक को दो रन से हराया

हांगकांग, 7 नवंबर। रॉबिन उथप्पा (28), भरत चिप्ली (24) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने शुक्रवार को हांगकांग सिक्सर्स टूर्नामेंट 2025 के पूल सी के वर्षा बाधित मुकाबले में डकवर्थ-लुईस पद्धित से पाकिस्तान को दो रनों से शिकस्त दी। आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में चार विकेट पर 86 रन बनाए, जिसमें रॉबिन उथप्पा के 11 गेंदों में 28 रन और भरत चिप्ली के 13 गेंदों में 24 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा कप्तान दिनेश कार्तिक ने छह गेंदों में नाबाद 17 रन बनाकर भारत को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। वर्षा बाधित इस मैच में, भारत ने धैर्य बनाए रखते हुए करीबी जीत हासिल की। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद शहजाद ने दो विकेट लिये। अब्दुल समद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। पाकिस्तान की पारी की शुरुआत अच्छी रही और तीन ओवर के बाद जब उसका स्कोर एक विकेट पर 41 रन था, तभी भारी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। उसके बाद खेल नहीं हो सका और डीएलएस पद्धित के अनुसार पाकिस्तान को दो रन हार का सामना करना पड़ा।

धोनी आईपीएल 2026 में खेलेंगे : सीएसके

चेन्नई, 7 नवम्बर। एमएस धोनी का आईपीएल से संन्यास अभी बाकी है और भारत के इस महान क्रिकेटर का अगले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलना तय है। इस बात की पुष्टि खुद फ्रेंचाइजी की ओर से हुई है, सीईओ काशी विश्वनाथन ने क्रिकबज को बताया, ''यह सही है,'' जबकि जानकारी सामने आई है कि संजू सैमसन का व्यापार मुद्दा फिर से सीएसके की चर्चा का विषय बन गया है। विश्वनाथन, जो 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना के बाद से ही इसके साथ जुड़े हुए हैं - बिल्कुल धोनी की तरह - ने हाल ही में एक युवा प्रशंसक को आगामी सीजन के लिए सीएसके के इस करिश्माई खिलाड़ी की उपलब्धता के बारे में बताया। शुक्रवार को, उन्होंने इस वेबसाइट से बात दोहराते हुए कहा, ''एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।'' धोनी की तरह, विश्वनाथन भी पांच बार की चैंपियन टीम की रीढ़ रहे हैं और फ्रेंचाइजी के मालिक एन श्रीनिवासन के करीबी विश्वासपात्र भी हैं। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों से धोनी (44) का आईपीएल में खेलना किसी भी सीजन से पहले एक बार-बार उठने वाला सवाल रहा है, लेकिन सीएसके के सीईओ की पुष्टि से कम से कम 2026 के संस्करण के लिए अटकलों पर विराम लग जाना चाहिए।

मैट हेनरी की न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी

आकलैंड, 7 नवम्बर। मैट हेनरी वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी कर रहे हैं। हेनरी पिछले हफ़्ते पिंडली में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों में नहीं खेल पाए थे और फिलहाल वनडे और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजर रहे हैं। इस बीच, 32 वर्षीय ब्लेयर टिकनर, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे वनडे में लगातार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था, टीम में अपनी जगह बरकरार रखते हैं। टिकनर ने दो मैचों में 12.25 की औसत से आठ विकेट लिए थे। उस सीरीज से पहले, टिकनर ने 2023 के बाद से न्यूज़ीलैंड के लिए कोई वनडे मैच नहीं खेला था। हालांकि, न्यूज़ीलैंड की चोटों की सूची लंबी होती जा रही है, मोहम्मद अब्बास (पसलियां), फिन एलन (पैर), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), विल ओरूर्के (पीठ), ग्लेन फिलिप्स (ग्रोइन) और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। केन विलियमसन को चयन के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह 2 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू कर रहे हैं।

राजधानी

हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है : राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन

सांसद जैन ने जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जानी-मानी इतिहासवेत्ता और राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है। वे शुक्रवार को जयपुर के जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर स्थित एक होटल में जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं।

सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि इतिहासवेत्ताओं ने ईमानदारी से इतिहास लिखा लेकिन उसमें कुछ छुपाया नहीं गया। न ही इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया। परंतु आजादी के बाद हमारे इतिहासवेत्ताओं को मार्क्सवादियों ने कम्युनल बताया और मूल इतिहास के सिलेबस को ही गायब कर दिया गया। देश के असली इतिहास को विपरीत इतिहास में बदल दिया गया और धीरे-धीरे दिल्ली विश्वविद्यालय जेएनयू और अलीगढ़ के सिलेबस से यह सब गायब हो गए। हमको यह समझना चाहिए कि भाई शत्रु कहां है हमारा इतिहास बिल्कुल विपरीत लिखा गया, हमें शत्रुओं का बोध होना चाहिए।

इससे पहले सांसद मीनाक्षी जैन ने दीप प्रज्वलित कर जयपुर डायलॉग समिट का शुभारंभ किया।

''शत्रुबोध'' थीम पर गुरूवार से शुरू हुए जयपुर डायलॉग समिट में चेयरपर्सन संजय दीक्षित व अन्य वक्ताओं ने चर्चा की।

- **जयपुर डायलॉग समिट में पहले दिन ''शिक्षा, भ्रष्टाचार और सिविक सेंस के सवाल'' उठे**

तीन दिवसीय समिट के पहले दिन मुख्य हॉल सहित अलग-अलग जगहों पर विभिन्न विषयों पर 14 सत्र आयोजित किए गए। जयपुर डायलॉग के चेयरपर्सन संजय दीक्षित की पुस्तक ''ऑल रिलीजंस आर नोट सेम'' के हिंदी संस्करण (सभी धर्म समान नहीं) का विमोचन भी किया गया।

प्रथम सत्र में ''भारत मस्ट नेम, एक्सपोज एंड कॉन्फ्रेंस इट्स सिविलाइजेशन एनीमीज'' विषय पर वरिष्ठ पत्रकार भाऊ तोरसेकर, अनुपम मिश्रा, ओमकार चौधरी, अभिषेक तिवारी और बाबा रामदास ने शत्रुओं की समय रहते पहचान करने और विकास की और फैलाए जा रहे नैरेटिव पर करारा प्रहार किया।

द्वितीय सत्र में दक्षिणी एशियाई देशों बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में जिओ पालिटिक्स तथा जेन जेड़ के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे देश में भी विपक्ष की ओर से इस तरह के प्रयास किया जा रहे हैं, हमें शत्रुओं से सावधान रहना होगा। दोपहर बाद तीसरे सत्र में थिंक टैंक्स की ओर से शिक्षा के माध्यम से की जा रही भारत विरोधी गतिविधियों पर सांसद मीनाक्षी जैन, एस्थर धनराज, प्रोफेसर भारत गुप्त, आभास मालदहियार, नीलेश ओक और चिंतक कुंदन सिंह ने संबोधित किया। चौथे सत्र में ब्रेकिंग इंडिया फोर्सज, टुकड़े-टुकड़े गैंग, देश के आंतरिक शत्रु तथा नक्सली और इस्लामिस्ट नेटवर्क विषय पर संजय दीक्षित, नाजिया खान अभिजीत मित्रा अभिजीत चावाड़ा, पंकज सक्सेना और अविनाश धर्माधिकारी ने खुलकर देश विरोधी ताकतों और शत्रुओं का खुलासा किया।

''इन ब्यूरोक्रेसी होल्डिंग बैक मोदी एंड इंडिया'' ओपन माइक चैनल सेशन में अविनाश धर्माधिकारी, उदय माहिरकर, सेवियो रॉड्रिक्स, राहुल सूर और संजय दीक्षित ने चर्चा की।

चर्चा में भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार हमारे समाज में इस कदर व्याप्त है कि परिवार के लोग भी उसके लिए दबाव बनाते हैं। भ्रष्टाचार हमारे समाज, व्यवस्था और लोकतंत्र का कैंसर है। इसके समाधान का रास्ता शिक्षा से शुरु होता है।

लिहाजा शैक्षिक नीति निर्माण करने वाले अधिकारियों का चरित्र भी इतना मजबूत हो, कि वे नेशन फर्स्ट की भावना को जागृत कर पाएं। वक्ताओं ने बताया कि डीबीटी की शुरुआत मोदी सरकार ने बहुत अच्छी की, लेकिन सक्षम अधिकारियों की अनदेखी के कारण आदिवासी गांव में ये योजनाएं सही मायने में नहीं पहुंच पाई।

150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी

रूफ टॉप सोलर पर अब राज्य सरकार से मिलेगी 17 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी

जयपुर(कासं)। राजस्थान डिस्कॉम्स ने 150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत संचालन दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से प्रतिमाह 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रथम चरण में यह लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए घर की छत उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि 13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उपभोक्ता रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगवाकर संयंत्र की क्षमता के अनुसार पीएम सूर्यघर योजना में देय केन्द्रीय अनुदान (अधिकतम 78 हजार रूपए) प्राप्त करेंगे। न्यूनतम 1.1 किलोवाट के संयंत्र पर उन्हें राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 17 हजार रूपए की सब्सिडी भी दी जाएगी, जो डिस्कॉम द्वारा सत्यापन के पश्चात प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

- **13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।**

योजना में वही घरेलू उपभोक्ता अतिरिक्त राज्य सब्सिडी के लिए पात्र होंगे, जो पहले से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत हैं तथा जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए स्वयं की छत उपलब्ध है। ऐसे उपभोक्ताओं को राजस्थान डिस्कॉम की वेबसाइट तथा मोबाइल एप पर सहमति के लिए पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए उन्हें पीएम सूर्यघर योजना के राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर एम्पेनल्ड वेंडर का चयन करना होगा। रूफ टॉप सोलर सिस्टम अपनी स्वामित्व वाली छत पर ही स्थापित कराना होगा। रूफ टॉप संयंत्र की आपूर्ति और स्थापना का कार्य पीएम सूर्यघर योजना में एम्पैनल्ड वेंडर द्वारा किया जाएगा। डिस्कॉम के संबंधित सहायक अभियंता द्वारा निरीक्षण कर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित किए जाने का सत्यापन किया जाएगा।

'भारत में ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा अभी 1000 साल तक चल सकता है'

जयपुर। जयपुर डायलॉग के पहले दिन शुक्रवार को ''डू हिंदू इनफ्लुएंसर एक्चुअली अंडरस्टैंड सनातन (सेकुलर कथावाचक)'' सैशन हुआ। इस ओपन माइक सैशन में कार्तिक गौर, विनोद कुमार और अनुज भारद्वाज ने चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा भारत में अभी और 1000 साल तक चल सकता है।

सोशल मीडिया, फिल्म मेकर, यूट्यूबर, इनफ्लुएंसर के माध्यम से जनमानस में पैठ बनाने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि ये स्वयं को हिंदुइज्म बोलते हैं, जबकि वास्तव में हिंदुत्व है। यह क्रिस्टीनिज्म और इस्लामिज्म से अलग है। इनमें कथित पत्रकार और इतिहासकार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ज्योतिष के जरिए हिंदुत्व को गिरा रहे हैं। सिर्फ लोकप्रिय होने के लिए ज्योतिष और इतिहास की गलत व्याख्या कर रहे हैं। जबकि आंतरिक सुरक्षा को सर्वोपरि रखना चाहिए। हमें जागना और जागना होगा। स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति लोकतंत्र में हमें फायदा दे रहा है या नुकसान यह सोचना होगा।

सैशन में प्रियांक कानूनगो और हर्ष ने चर्चा करते हुए कहा कि वामपंथी देशों ने सोशल मीडिया के जरिए लिव इन और पोर्न की लत लगाने का प्रयास किया है। ताकि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्वस्त किया जा सके। बालिकाओं के प्रति कम्युनल जेंडर क्राइम हो रहा है। यह तब है जबकि दूसरे देशों में 38 वर्ष के मुकाबले भारत में काम करने वालों की एवरेज आयु 29 वर्ष है। भारत में 90 करोड़ की युवा आबादी सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सामाजिकता की लडाई लड़ने के लिए स्वयं के विचारधारा को विकसित करना होगा। सोशल मीडिया के सही उपयोग के लिए स्वदेशी प्लेटफार्म विकसित करने होंगे।

सांसद तिवाड़ी ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया

सीकर/जयपुर। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वंदे मातरम् पर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत जी इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं, और राष्ट्रगीत को भी राजनीति के दायरे में घसीट रहे हैं।

तिवाड़ी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत देश के स्वतंत्रता सेनानियों में आज़ादी की चेतना जगा रहा था, यह गीत तभी से भारत के क्रांतिकारियों के लिए एक मंत्र और प्रेरणा का स्त्रोत बन गया। कांग्रेस के अधिवेशन में मौलाना अली, शौकत अली जैसे नेताओं ने इसका विरोध किया था। इसके बाद में वंदे मातरम् को धर्म से जोड़ने की कोशिश की गई, जो कि पूरी तरह गलत और दुर्भाग्यपूर्ण था। तिवाड़ी ने कहा कि 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम् गीत की रचना की। 1882 में आनंदमठ में प्रकाशित हुआ, जिसमें इस गीत को प्रमुख स्थान मिला। 1905 बंग-भंग आंदोलन के समय यह गीत स्वदेशी आंदोलन का प्रेरणास्त्रोत बन गया। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर अशोक गहलोत और कांग्रेस सच में राष्ट्रभक्ति की भावना रखते हैं, तो उन्हें इस आयोजन में शामिल होकर देश के साथ खड़ा होना चाहिए था, न कि इससे दूरी बनानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा वाली पार्टी है और वंदे मातरम् गीत के प्रति उसकी आस्था श्रद्धा और राष्ट्रसेवा की भावना से जुड़ी है। भाजपा इस गीत को राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और प्रेरणा का प्रतीक मानती है। तिवाड़ी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत भारत के हर नागरिक के दिल में बसता है। यह किसी पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक है। भाजपा इस गीत के माध्यम से देशभर में राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश देती रहेगी।

- **वंदे मातरम् किसी दल की नहीं, देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक : तिवाडी**

मुख्यमंत्री ने खरीफ फसल खराबे में कृषि अनुदान को दी स्वीकृति

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस वर्ष अतिवृष्टि से खरीफ फसल के नुकसान के संबंध में संवेदनशील निर्णय लिया है। जिसके तहत उन्होंने प्रभावित 6 जिलों के किसानों के लिए अनुदान वितरण की स्वीकृति दी है। निर्णय के अनुसार, प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ से कृषि अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी गई है। इसके लिए 6 जिलों की 40 तहसील के 2 हजार 961 गांवों को अभावग्रस्त घोषित करने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से अजमेर, अलवर, झुंझुनूं, कोटा, पाली और बांसवाड़ा जिले के आठ लाख से अधिक किसानों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

वंदे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने एसएमएस स्टेडियम में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि यह समारोह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है।**

जयपुर, 7 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम सभी राष्ट्रीय चेतना के महान गीत "वन्दे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के साक्षी बन रहे हैं तथा अमर काव्य की वंदना कर रहे हैं। वन्दे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया, जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्ज्वलित की। उन्होंने कहा कि यह केवल एक गीत नहीं है बल्कि हमारी सामूहिक चेतना, हमारी आत्मा की पुकार तथा मातृभूमि के प्रति हमारी अनंत श्रद्धा का प्रतीक है। शर्मा शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राष्ट्रगीत के 150 वर्षों का ऐतिहासिक उत्सव मना रहे हैं। युवा भारत के भविष्य हैं, राष्ट्र की आशा हैं और इस महान विरासत के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की अंतरिम सरकार की घोषणा के समय भी वन्दे मातरम् गाया था। क्रांतिकारी जब फांसी के तख्ते पर चढ़ ते थे तो उनके होठों पर भी वन्दे मातरम् होता था। अंग्रेज इस गीत से इतने भयभीत थे कि इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार ने 1 अक्टूबर को वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के राष्ट्रव्यापी समारोह की स्वीकृति देकर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह समारोह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य हमारे नागरिकों को, विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों को इस गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री ने वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें 1857 की क्रांति व भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के योगदान से संबंधित जानकारी एवं विकसित भारत से संबंधित पेंटिंग्स दिखाई गईं।

इसके पश्चात उन्होंने वन्दे मातरम् सैण्ड आर्ट को भी देखा। समारोह में शर्मा ने प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त गायक पीयूष पंवार ने राष्ट्र भक्ति के गीतों की सुरमयी प्रस्तुति दी। साथ ही, ड्रोन से स्टेडियम में पुष्प वर्षा की गई। संपूर्ण कार्यक्रम में आमजन, प्रतिभागियों, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों ने एक स्वर में भारत माता की जय और वन्दे मातरम् के जयकारों से पूरे आयोजन को जोश से भर दिया। राजस्थान के लोक कलाकारों ने वाद्ययंत्रों के माध्यम से विशेष प्रस्तुतियां दी। लोगों ने केसरिया साफा पहनकर एवं हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर राष्ट्र सेवा की भावना से ओतप्रोत होकर विकसित भारत के विजन को मजबूत बनाया। शर्मा ने सभी लोगों को आत्मनिर्भर भारत की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने जब आसमान में गुब्बारे छोड़े तो पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़ म, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी, राव राजेन्द्र सिंह, मंजू शर्मा तथा विधायकगण सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा व आमजन उपस्थित थे।

ग्रेट ईस्टर्न रिटेल पर 51 हजार का हर्जाना

जयपुर, 7 नवंबर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने सेवादोष के एक मामले में ग्रेट ईस्टर्न रिटेल पर 51 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। वहीं एसी इंस्टालेशन चार्ज की राशि 2145 रुपए व डिस्काउंट की बकाया राशि

- **जिला उपभोक्ता आयोग ने एक ग्राहक के परिवाद पर आदेश दिये।**

2000 रुपए परिवाद दायर करने की तारीख से 9 प्रतिशत ब्याज सहित परिवादी को देने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीणा व सदस्य सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश रामप्रकाश कुमावत के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ग्रेट ईस्टर्न रिटेल की स्कीम व छूट से प्रभावित होकर 22 मई 2025 को विपक्षी के यहां एक एसी खरीदने के लिए गया। परिवादी ने वोल्टास का 42 हजार रुपए का एसी पसंद किया तो विक्रेता ने उसे बताया कि एसी खरीदने पर डिलीवरी व इंस्टालेशन फ्री मिलेगा। वहीं, क्रेडिट कार्ड से खरीद पर 5 हजार रुपए का डिस्काउंट व एक्सटेंड वारंटी मिलने की बात भी कही। परिवाद में कहा गया कि विपक्ष विक्रेता का यह कृत्य सेवा दोष की परिभाषा में आता है। ऐसे में उसे मुआवजा और परिवाद खर्च के साथ-साथ अदा की गई राशि दिलाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने विक्रेता पर हर्जाना लगाया है।

चीन के युद्ध पोतों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टेक ऑफ सिस्टम, जहाज के विमानों को पारंपरिक "स्काई जंप" सिस्टम के बिना भी अधिक भार उठाने में सक्षम बनाता है। ऐसी प्रणाली केवल कुछ अमेरिकी विमानवाहक पोतों में ही मौजूद है। इसके अलावा, फुजियान में हथियार प्रणालियों और उच्च तकनीक वाले उपकरणों का एक विशाल भंडार है, जो इसे समुद्र में एक शक्तिशाली व दुर्जेय दुश्मन बनाता है।

दुनिया भर के मीडिया और रणनीतिक विशेषज्ञों ने इस नए पोत के शामिल होने पर गहराई से ध्यान दिया है और यह चर्चा शुरू हो गई है कि यह अमेरिका की नौसेना के लिए किस तरह की चुनौती पेश करेगा। संख्या के मामले में चीन की नौसेना कहीं आगे निकल चुकी है, हालांकि कई विशेषज्ञ मानते हैं कि तकनीकी और रणनीतिक क्षमता में अमेरिका अब भी चीन से आगे है।

जो बात अमेरिका के लिए चिंता का विषय है, वह भारत के लिए तीन गुना ज्यादा चिंताजनक है। चीन अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की मौजूदगी को परख रहा है। उसके जहाज अब नियमित रूप से हिंद महासागर में दिखाई देने लगे हैं, जो कि परंपरागत रूप से भारतीय नौसेना का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।

चीन ने अफ्रीका के पूर्वी तट पर अपनी मौजूदगी दर्ज कर ली है और उसका निगरानी क्षेत्र मलक्का जलडमरूमध्य (मलक्का स्ट्रेट्स) से लेकर दक्षिण चीन सागर तक फैल गया है। यह वही इलाका है, जो भारतीय नौसेना की प्रमुख रुचि का क्षेत्र है। कुछ दिन पहले ही भारतीय नौसेना के उप प्रमुख ने नौसेना के सामने मौजूद चुनौतियों और उसकी निगरानी क्षमताओं का विस्तृत विवरण दिया था।

लेकिन, निश्चित रुप से इस जहाज के लाँच होने से अमेरिका के लिए चिंताएं और बढ़ गई हैं। पहले ही अमेरिका उस तेज़ रफ्तार से हैरान है, जिस गति से चीन ने अपनी नौसेना में नए जहाज जोड़े हैं।

संख्या के हिसाब से चीनी नौसेना अब अमेरिकी बेड़े से कम से कम 20 प्रतिशत बड़ी है। इसके अलावा, चीन के शिपयार्ड्स में नए जहाजों के निर्माण की क्षमता अमेरिका और अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक है।

यह नया पोत निकट भविष्य में प्रशांत महासागर के उन इलाकों में तैनात किया जाएगा, जहां हाल के महीनों में चीनी गश्ती जहाजों और अन्य देशों के जहाजों के बीच झड़पें बढ़ गई हैं। चीन लगातार अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों और वैश्विक समुद्री मार्गों के बड़े हिस्सों पर अपना "संप्रभु क्षेत्र" होने का दावा कर रहा है। इससे दक्षिण चीन सागर के आसपास के देशों के साथ गंभीर तनाव बढ़ रहा है।

चीन पूरे दक्षिण चीन सागर को अपना विशेष समुद्री क्षेत्र बता रहा है, जबकि इस सागर के तट पर कई अन्य देशों की सीमाएँ हैं और उनके अपने समुद्री अधिकार हैं। कुछ महीने पहले चीन का फिलीपींस से विवाद हुआ था और इंडोनेशिया व वियतनाम के साथ भी लगातार तनाव बना हुआ है।

इन हालात ने चीन को न केवल अपने पड़ोसी देशों से, बल्कि दुनिया भर के अन्य समुद्री देशों से भी टकराव की स्थिति में ला दिया है। हाल ही में हुई ऐसी ही एक मुठभेड़ में ऑस्ट्रेलिया ने शिकायत की कि चीनी जहाजों ने उनके पोतों के आसपास गैर -पेशेवर तरीके से पैंतरेबाजी की और चालक दल व अन्य लोगों की जान को खतरे में डाला। तथापि, मौजूदा समय में चीन इस क्षेत्र के अन्य लोगों की शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

शी जिनपिंग चीन के साम्राज्यवादी विचार को प्राथमिकता दे रहे हैं और अब इस पुराने साम्राज्य को उसके अधिकतम विस्तार तक फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें लगभग पूरा दक्षिण पूर्व एशिया, आसपास के समुद्री क्षेत्र और विशेषरुप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर सहित, भारत का संपूर्ण उत्तर -पूर्वी क्षेत्र शामिल है।

ऐसे दृष्टिकोण के साथ, चीन का कई देशों से टकराव होना तय है, और भारत इससे अछूता नहीं रह सकता। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि भविष्य में चीन के साथ किसी संभावित टकराव के लिए वह पूरी तैयारी करे।

भारत को ऐसे टकराव और आमने-सामने की टक्कर से बचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए, जब तक कि वह आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति के मामले में चीन के बराबर नहीं पहुँच जाता।

आरएएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्मिक विभाग के साल 2008 के परिपत्र के तहत, निलंबन से बहाल होने पर अधिकारी पदोन्नति का अधिकारी होता है। इस परिपत्र के आधार पर दो आईएएस अफसरों को भी आपराधिक मामला लंबित होने के बावजूद पदोन्नति दी गई है। ऐसे में अपीलार्थी को पदोन्नति नहीं देना गलत है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने अपीलार्थी का लिफाफा खोलने के आदेश दिए हैं।

फीफा ट्रंप को शांति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह पुरस्कार उस समर्थन और सहयोग के बदले किये गये एक प्रतिदान के रुप में देखा जा सकता है।

ट्रम्प के लिए यह एक सुनहरा अवसर होगा। वाशिंगटन के कैनेडी सेंटर में एक भव्य समारोह, जहां वे, उनकी छवि में चार चांद लगाने वाले, इस "वैश्विक सम्मान" को प्राप्त करने वाले राजनेता के रूप में प्रस्तुत होंगे, वो भी ऐसे समय पर, जब वे देश में अपनी सत्ता मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन फीफा के लिए इस कदम का औचित्य समझाना शायद बहुत मुश्किल होगा। कतर की मेज़बानी विवादों से लेकर प्रायोजन घोटालों तक, अपनी छवि चमकाने के इस संगठन के पिछले प्रयास अक्सर उल्टे पड़े हैं।

नोबेल पुरस्कार की महत्ता उसकी राजनीति से दूरी में निहित है। उसकी समितियों ने हमेशा सरकारों को चुनौती देते हुये, सोवियत असंतुष्टों चीनी कार्यकर्ताओं या युद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले मानवीय संगठनों को सम्मानित किया है। लेकिन फीफा की संरचना ही ऐसी है कि वह इस तरह की निष्पक्षता का दावा नहीं कर सकता। इसके फैसले प्रसारण सौदों, राष्ट्रीय संघों और व्यावसायिक साझेदारों से प्रभावित होते हैं।

इस असंतुलन के कारण नोबेल और फीफा की तुलना अपने आप में ही अन्यायपूर्ण है, और यह नोबेल के साथ अन्याय भी है। खेल प्रशासन के गलियारों में पैदा हुआ पुरस्कार कभी भी उस पुरस्कार की नैतिक शक्ति का वाहक नहीं हो सकता, जिसकी जड़ें वैश्विक अंतरात्मा में पैठ चुकी हैं।

सच कहा जाए तो फुटबॉल ने दुनिया के बिखरे समाजों में मेल-मिलाप की भूमिका निभाई है। अफ्रीका के युद्धग्रस्त इलाकों से लेकर जॉर्डन के शरणार्थी शिविरों तक, इस खेल ने एकता और उम्मीद के पल दिए हैं। अगर फीफा ऐसी पहलों और प्रयासों - सामुदायिक कोचों, शरणार्थी खिलाड़ियों या खेल के माध्यम से शांति अभियानों - को सम्मानित करे, तो यह पुरस्कार सचमुच सार्थक बन सकता है। लेकिन अगर इसे किसी राजनीतिक दिग्गज को दिया गया, तो ध्यान शांति से हटकर प्रचार पर चला जाएगा।

जब इन्फेंटिनो 5 दिसंबर को विजेता की घोषणा करेंगे, तो उस घोषणा में जितना विजेता के बारे में बताएगा जायेगा, उतना ही फीफा के बारे में भी। अगर पुरस्कार ट्रम्प को मिला, तो यह साफ हो जायेगा कि कैसे शांति को भी एक तमाशा बनाया जा सकता है।

नोबेल शांति पुरस्कार भले ही पूर्ण न हो, पर यह अब भी नैतिकता का मानदंड बना हुआ है। फिलहाल, फीफा का यह नया पुरस्कार, कम से कम अभी के लिए, एक जनसंपर्क प्रयोग जैसा दिखता है, जिसे नैतिकता का जामा पहना दिया गया है।

शराबी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी ने अपना पक्ष रखते हुए गिरफ्तार आरोपी को रिमांड पर भेजने के पक्ष रखा। तमाम जिरह सुनने के बाद डंपर चालक को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस प्रकरण में अगली सुनवाई 21 नवंबर को रखी गई है।

कोर्ट की कार्रवाही के दौरान ही चौमूं बार एसोसिशन ने बड़ा फैसला लेते हुए डंपर चालक कल्याण मीणा की ओर से किसी भी तरह की कोई पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया।

'वंदे मातरम्' कांग्रेस की बैठकों का हमेशा हिस्सा रहा है- खड़गे

- **उन्होंने कहा कि आरएसएस की शाखाओं व बैठकों में यह गीत कभी नहीं गाया गया।**

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वंदे मातरम् गीत को राष्ट्र की सामूहिक आत्मा को जागृत करने वाला स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोषक गीत बताते हुए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा भाजपा पर हमला किया और कहा कि राष्ट्रभक्ति का डंका पीटने वाले इस संगठन के लोगों ने अपनी शाखाओं में और बैठकों में इस गीत को कभी नहीं गाया।

खड़गे ने वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को एक सन्देश में कहा कि 1896 में कलकत्ता में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष रहमतुल्ला सयानी के नेतृत्व में, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने पहली बार सार्वजनिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया था और तब इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में नयी ऊर्जा भर दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ब्रिटिश साम्राज्य की फूट डालो और राज करो नीति को समझती थी और उस समय अंग्रेजों की इस नीति के विरुद्ध वंदे मातरम् अटूट शक्ति का गीत बनकर उभरा, जिसने सभी भारतीयों को भारत माता की भक्ति में शक्ति के रूप में एक सूत्र में बांध दिया था। फिर 1905 के बंगाल विभाजन से लेकर स्वतंत्रता सेनानियों के अंतिम सांसों तक वंदे मातरम् की गूंज पूरे देश में सुनाई देने लगी। यह गीत लाला लाजपत राय के प्रकाशन का शीर्षक था, भीकाजी कामा के उस तिरंगे पर अंकित था जो उन्होंने जर्मनी में फहराया।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अपीलार्थी को जमानत मिलने के बाद उसने जुलूस निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया था। हाईकोर्ट ने भी इस आधार पर केस को धौलपुर से जयपुर ट्रांसफर किया था। आरोपी मंत्री और तीन बार विधायक रह चुका है। ऐसे में इन जिलों में वह दबदबा रखता है। इसलिए अपील को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपील को खारिज कर दिया है।

सरकार ने पुणे में विवादास्पद भूमि सौदे को रद्द कर दिया है- अजीत पवार

मुंबई, 07 नवंबर। पुणे के विवादित भूमि सौदे को लेकर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस विवादास्पद लेनदेन को रद्द कर दिया है। विपक्षी दलों की तरफ से इस्तीफे की मांग और विवाद बढ़ ने के बीच शुक्रवार को अजीत पवार ने कहा, उनके बेटे पार्थ और उनके व्यावसायिक साझेदार ने पुणे में जमीन खरीदी। हालांकि, दोनों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि पुणे में उनकी कंपनी जो जमीन खरीद रही है, वह सरकारी संपत्ति है।

विवाद के बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने पहुंचे पवार ने पत्रकारों को बताया कि सौदे की जांच के लिए सरकार ने समिति गठित की है। इसकी रिपोर्ट एक महीने के भीतर आ जाएगी। इससे पहले सरकार पुणे के इस जमीन सौदे से संबंधित दस्तावेजों का पंजीकरण रद्द कर चुकी है। अधिकारियों को संबंधित हलफनामा भी सौंपा जा चुका है। डिप्टी सीएम ने यह भी कहा कि इस सौदे में एक भी रुपये का लेन-देन नहीं हुआ है। पवार ने बताया, संबंधित जमीन सरकारी है। इसे बेचा नहीं जा सकता। पार्थ और उनके साझेदार दिग्विजय पाटिल को इस तथ्य की जानकारी नहीं थी। पंजीकरण कैसे हुआ? इसका जिम्मेदार कौन है? ऐसे तमाम सवालों का जवाब तलाशने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे की अगुवाई में जांच समिति बनाई गई है। वह एक महीने में अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे।

दलितों के लिये आरक्षित भूमि कौड़ियों के भाव मंत्री पुत्र को दी- राहुल गांधी

- **उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के इस मामले में प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं**
- **राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि दलितों के लिये आरक्षित 1800 करोड़ रुपये की सरकारी भूमि मंत्री के बेटे की कम्पनी को 300 करोड़ रुपए में बेच दी गई।**

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को दलित विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला किया और कहा कि महाराष्ट्र के एक प्रभावशाली मंत्री के बेटे को दलितों के लिए आरक्षित सरकारी जमीन कौड़ियों के भाव बेच दी जाती है, लेकिन मोदी इस पर कुछ नहीं बोलते।

उन्होंने कहा कि इस जमीन की कीमत 1800 करोड़ रुपए से अधिक है, लेकिन राज्य सरकार के प्रभावशाली मंत्री के बेटे को कंपनी चलाने के लिए सरकार ने यह जमीन महज 300 करोड़ रुपए में बेच दी और स्टाम्प ड्यूटी में छूट भी दे दी। आश्चर्य की बात यह है कि खुद को दलितों का हितैषी बताने वाले प्रधानमंत्री मोदी इस बारे में मौन साधे हुये हैं। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र में दलितों के लिए आरक्षित 1800 करोड़ रुपए की सरकारी ज़मीन सिर्फ़ 300 करोड़ रुपए में मंत्री जी के बेटे की कंपनी को बेच दी गई है। ऊपर से स्टाम्प ड्यूटी भी हटा दी। मतलब एक तो लूट और उस पर कानूनी मुहर में भी छूट। उन्होंने ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि वे लुटेरों की लूट पर मौन हैं, क्योंकि वे ही उनकी सरकार का आधार हैं। उन्होंने कहा "मोदी जी, आपकी चुप्पी बहुत कुछ कहती है - क्या आप इसीलिए खामोश हैं, क्योंकि आपकी सरकार उन्हीं लुटेरों पर टिकी है, जो दलितों और वंचितों का हक़ हड़पते हैं।"

तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली से उड़ानों में देरी

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। स्वचालित संदेश स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में तकनीकी खराबी आने के कारण राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) और उत्तर भारत के कई अन्य स्थानों पर उड़ानों में देरी हो रही है।

एएमएसएस एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) डेटा का समर्थन करता है। विमानन कंपनी इंडिगो ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "एएमएसएस में तकनीकी समस्या के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे और उत्तरी क्षेत्र के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर सभी एयरलाइनों की उड़ानें इस समय देरी का सामना कर रही हैं।" भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने भी इस व्यवधान की पुष्टि की है।

मानेसर भूमि घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा की मुश्किलें बढ़ीं

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर सीबीआई का रास्ता खोला

- **सीबीआई का आरोप है कि मानेसर के आसपास के गांवों में किसानों से सस्ते दाम से भूमि अधिग्रहित की गई। बाद में निजी बिल्डरों को रियायती दामों पर लाइसेंस जारी किये गये।**

चंडीगढ़ , 07 नवंबर। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को मानेसर भूमि घोटाला मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उनकी याचिका खारिज कर दी, जिससे पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत में अब आरोप तय करने की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है।

उच्च न्यायालय से राहत न मिलने के बाद, अब सीबीआई की विशेष अदालत हुड्डा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी और मुकदमे की औपचारिक कार्यवाही शुरू होगी। सीबीआई पहले ही इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई लोगों पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। गौरतलब है कि 2007 में भूमि अधिग्रहण से जुड़ा यह मामला उच्चतम न्यायालय के आदेश पर सीबीआई को सौंपा गया था। शीर्ष अदालत ने तत्कालीन हुड्डा सरकार द्वारा अधिग्रहण प्रक्रिया रद्द करने के फैसले को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए इसे धोखाधड़ी की श्रेणी में रखा था। अदालत ने सीबीआई को बिचौलियों द्वारा कमाए गए अवैध लाभ की जांच करने और सार्वजनिक धन की वसूली के निर्देश दिए थे। सीबीआई ने सितंबर 2015 में जांच शुरू की थी और 2018 में हुड्डा समेत 34 आरोपियों के खिलाफ लगभग 80,000 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया कि गुरुग्राम जिले के मानेसर और आसपास के गांवों में किसानों से सस्ते दामों पर जमीन अधिग्रहित की गई और बाद में निजी बिल्डरों और रियल एस्टेट कंपनियों को रियायती दरों पर लाइसेंस जारी किए गए।

'उन्नीस सौ सैंतीस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि आरएसएस और भाजपा ने न तो यह गीत कभी गाया, न ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। अक्टूबर 1937 में कांग्रेस ने गीत के केवल पहले दो पदों को अपनाने का फैसला किया था, जिनमें शेष पदों की तरह देवी-देवताओं का धार्मिक चित्रण नहीं था। बाकी पदों में भारत माता को हिंदू देवियों, दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में चित्रित किया गया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी. आर. केशवन ने नेहरू द्वारा सुभाषचंद्र बोस को लिखे 1937 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि नेहरू ने लिखा था-यह गीत "मुसलमानों को नाराज़ कर सकता है"। केशवन का कहना था कि नेहरू का यह दृष्टिकोण एक "ऐतिहासिक भूल" थी, जिसने गीत के राष्ट्रीय प्रतीकवाद को कमजोर किया। "वंदे मातरम्" का विवाद पहले भी कई बार भड़क चुका है, खासकर राजस्थान और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में, जहां स्कूलों और मदरसों में इस गीत के गायन को अनिवार्य करने के सरकारी आदेशों का मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया था। यह गीत पहली बार 1882 में बंकिमचंद्र चटर्जी के उपन्यास "आनंद मठ" में सामने आया था।

राजकॉम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खरीद व रखरखाव के लिए उदयपुर जिले का टेंडर एक फर्म को दिया गया। इस कंपनी ने डी.एस.ओ. के फर्जी साइन कर कार्य संपूर्णता का प्रमाण पत्र पेश कर सालों तक करोडों रुपए का भुगतान उठाया। आरटीआई में मिली जानकारी के अनुसार डी.एस.ओ. ने ऐसा कोई प्रमाण पत्र ही जारी नहीं किया था। इसी तरह टोंक में भी फर्जीवाड़ा कर भुगतान उठाया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता संस्था के सदस्य टीएन शर्मा ने एसीबी में इसकी कई बार शिकायत की, लेकिन एसीबी ने धारा 17-ए के तहत जांच की स्वीकृति के लिए मामला भेज दिया। जबकि नीतिगत निर्णय से जुड़े मामले में ही इस धारा के प्रावधान लागू होते हैं। मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

अधिकतर देश के इकॉनमिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो देख रहे हैं, लेकिन कोई स्थाई बदलाव नहीं।"

एसबीआई का अपना मजबूत प्रदर्शन, जो स्वस्थ ऋण वृद्धि और स्थिर परिसंपत्ति गुणवत्ता, (स्टेबल एसैट क्वालिटी) में परिलक्षित होता है, एक और चिंता को छुपाता है: ये है असुरक्षित ऋणों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी। खुदरा और व्यक्तिगत ऋण में तेज वृद्धि को देखते हुए नियामक पहले ही संभावित जोखिमों पर चेतावनी दे चुके हैं। अगर रोजगार सृजन धीमा हुआ या ब्याज दरें अप्रत्याशित रूप से बढ़ीं, तो इससे परिवारों की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ेगा और बैंकों को नए जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

बाहरी मोर्चे पर भी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कमोडिटी बाज़ार अस्थिर हैं, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है और वैश्विक व्यापार अभी भी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है। आईएमएफ की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि विकसित देशों में वृद्धि असमान है, जबकि चीन की मंदी और व्यापारिक बदलावों का असर भारत जैसे उभरते देशों पर पड़ सकता है। शेट्टी ने इन जोखिमों को स्वीकार करते हुए कहा कि नीति निर्माताओं को अल्पकालिक प्रोत्साहन की बजाय स्थिरता और दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर ध्यान देना चाहिए। हालांकि आलोचकों का कहना है कि 2026 के आम चुनावों से पहले राजकोषीय अनुशासन और ढांचागत सुधारों की गति धीमी पड़ गई है।

हालांकि महंगाई में कमी आई है, लेकिन अभी भी आरामदायक स्तर से ऊपर बनी हुई है, खासकर खाद्य और सेवाओं के क्षेत्र में। मुख्य महंगाई के दबाव में कमी आई है, लेकिन आम परिवार अभी भी खाद्य वस्तुओं, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ी हुई कीमतों से परेशान हैं। आम भारतीयों के लिए अर्थव्यवस्था की मजबूती का मतलब कई बार बढ़ती लागत, और स्थिर वेतन से होता है, एक ऐसा अंतर जिसे केवल आंकड़ों से नहीं छिपाया जा सकता।

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है, "भारत की विकास कहानी तुलनात्मक रूप से प्रभावशाली है, लेकिन इसके लाभ समान रूप से नहीं बंटे हैं। जब तक ग्रामीण मांग और वास्तविक वेतन में सुधार नहीं होता, तब तक जीडीपी के ऊंचे आंकड़े वास्तविक आर्थिक ताकत को पूरी तरह नहीं दिखा पाएंगे।"

शेट्टी ने दीर्घकालिक स्थिरता, हरित वित्त और जलवायु लचीलेपन की जरूरत पर जोर दिया, लेकिन यहां भी प्रगति असमान रही है। तमाम घोषणाओं के बावजूद भारत की हरित अर्थव्यवस्था में निवेश अभी भी सीमित है, और बैंकों ने नए ऋणों में से केवल 5 प्रतिशत से भी कम राशि पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ क्षेत्रों को दी है।

शेट्टी का सतर्क आशावाद निराधार नहीं है, लेकिन यह कुछ अहम असंतुलनों को नजरअंदाज करता है। भारत की वृद्धि भले ही तुलनात्मक रूप से मजबूत हो, पर यह अभी व्यापक, समावेशी या झटकों से मुक्त नहीं है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी के शब्दों में, भारत तेज़ दौड़ रहा है, लेकिन शायद अपनी ही विसंगतियों के बोझ से पूरी तरह आगे नहीं निकल पा रहा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908